MUMBAI TARANG TM

www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

महानता कभी ना गिरने में नहीं है, बल्कि हर बार गिरकर उठ जाने में है

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
8401376537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-27 ❖ मुंबई ❖ रविवार 27 जून से 03 जुलाई 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3 स्थानीय निकायों में OBC आरक्षण की मांग को लेकर महाराष्ट्र BJP का प्रदर्शन, देवेंद्र फडणवीस हिरासत में

पेज 5 पीएम मोदी संग बैठक के बाद उमर अब्दुल्ला का ऐलान- धारा 370 की बहाली के मिशन से पीछे नहीं हटेंगे

पेज 7 “ज़िन्दगी उन अफसानों का जीता जागता रुप है, जो हम खुद को सुनाते हैं।“- डॉ. भावना गौतम

पेज 8 मोदी सरकार के खिलाफ नए मोर्चे का सच क्या! शरद पवार ने बताया सबकुछ

ED ने किए कई बड़े खुलासे

अनिल देशमुख को बार मालिकों से मिली 4 करोड़ से ज्यादा रकम

- ऑर्केस्ट्रा बार मालिकों से लिये थे 4.70 करोड़ रुपये- ED
- 'हर बार और रेस्तरां से हर महीने तीन लाख रुपये वसूली'
- सिर्फ कागज पर चल रही हैं कंपनियां- ईडी

मुंबई, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को यहां एक अदालत को बताया कि महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को मुंबई में बार मालिकों से चार करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे और उन्होंने विभिन्न छद्म कंपनियों के जरिये प्राप्त दान दिखाकर इस रकम को अपने न्यास में डाल दिया। ईडी ने देशमुख के निजी सचिव संजीव पलांडे और निजी सहायक कुंदन शिंदे को रिमांड पर लेने के लिये की जा रही सुनवाई के दौरान यह दावा किया।

अधिकारियों ने कहा कि पलांडे और शिंदे को कथित तौर पर करोड़ों रुपये की रिश्वत सह रंगदारी गिरोह मामले में कथित धनशोधन के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में देशमुख को अप्रैल में इस्तीफा देना पड़ा था। उन्होंने कहा कि दोनों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। दोनों को एक जुलाई तक ईडी की हिरासत में भेज दिया गया है। ईडी ने देशमुख को बयान दर्ज कराने के लिए किया था तलब इससे पहले दिन में मामले में जांच एजेंसी ने देशमुख को जांच अधिकारी के समक्ष बयान दर्ज कराने के लिये बलार्ड एस्टेट स्थित ईडी दफ्तर में सुबह 11 बजे तलब किया था, लेकिन पूर्व मंत्री ने एजेंसी से पेशी के लिये नई तारीख दिए जाने का अनुरोध किया। देशमुख के वकीलों की टीम ईडी कार्यालय पहुंची और उसने पेशी के लिए कोई और तिथि दिए जाने का अनुरोध किया। उन्होंने जांचकर्ताओं को देशमुख का लिखा एक पत्र भी सौंपा।पलांडे और शिंदे थे देशमुख के मददगार-ईडी ईडी ने अदालत को बताया कि धनशोधन में देशमुख की मदद करने में पलांडे और शिंदे सहायक थे। बंबई उच्च न्यायालय के आदेश पर सीबीआई ने पहले एक शुरुआती जांच (पीई) की थी और उसके बाद नियमित मामला दर्ज किया था। सीबीआई के मामले के बाद ईडी ने इस संबंध में देशमुख और अन्य के खिलाफ जांच शुरू की थी। 'सचिन वाजे ने अपने दफ्तर में बार मालिकों के साथ की बैठक' दोनों की हिरासत मांगते हुए ईडी ने अदालत को बताया कि कुछ बार मालिकों-प्रबंधकों ने अपने बयानों में कहा कि तब अपराध आसूचना इकाई (सीटीयू) के प्रमुख रहे सचिन वाजे ने अपने दफ्तर में बार मालिकों के साथ एक बैठक की थी।

मुंबई में कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के लिए बीएमसी कर रही स्टडी

मुंबई, कोरोना की तीसरी लहर आने से पहले बीएमसी हर स्तर पर तैयारी में जुट गई है। अस्पतालों में ऑक्सिजन बेड और वेंटिलेटर बढ़ाने के साथ ही वॉर्ड वॉर रूम को हाईटेक बनाया जा रहा है। बीएमसी इस बात का अध्ययन कर रही है कि तीसरी लहर के दौरान स्थिति से निपटने के लिए वॉर रूम में क्या बदलाव किया जा सकता है? बीएमसी इस बात पर भी स्टडी कर रही है कि क्या नया जोड़ा जाए कि नागरिकों को बिना समय गंवाए तत्काल मदद पहुंचाई जा सके। बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने कहा कि दूसरी लहर के दौरान वॉर रूम काफी मददगार साबित हुए थे। मैन पॉवर बढ़ाने पर विचार काकानी ने कहा कि दूसरी लहर अप्रैल में जब चरम पर थी, उस समय 24 वॉर रूम में करीब 80 हजार कॉल आए थे, जिनमें बेड्स, ऐंबुलेंस व इलाज के बारे में जानकारी मांगी गई थी। वॉर रूम ने लोगों की काफी मदद की। अब वॉर रूम को और हाईटेक करने के साथ मैन पॉवर बढ़ाने एवं उसमें अन्य सुविधाओं का इजाफा करने के बारे में अध्ययन कर रहे हैं।

मैं सर पर कफन बांधकर आया, हू गोली खाने को तैयार: महेश सवानी की AAP में शामिल होने के बाद बीजेपी को खुली चुनौती

महेश सवानी ने कहा, "आम आदमी पार्टी में शामिल होने से पहले, दस में से पांच लोगों ने मुझे सलाह दी थी कि अगर आप राजनीति में जाते हैं, तो दूसरी पार्टी आपको परेशान करेगी और आपके व्यवसाय को प्रभावित करेगी।"

- गुजरात में आम आदमी पार्टी की बड़ी हिस्सेदारी
- महेश सवानी इस तरह हुए आम आदमी पार्टी में शामिल

अगले साल गुजरात में विधानसभा चुनाव के साथ ही आम आदमी पार्टी ने अपनी राजनीति तेज कर दी है. आप में एक के बाद एक जाने-माने चेहरों की एंट्री हो रही है, जिसने आप को राजनीति में चर्चा का विषय बना दिया है।आज सूरत में जाने-माने पाटीदार समाजसेवी और कारोबारी महेश सवानी भी आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। पार्टी में शामिल होने के बाद सवानी भावुक हो गएसमाज सेवा करना चाहता हूं : सवानीमहेश सवानी ने कहा, "आम आदमी पार्टी में शामिल होने से पहले, दस में से पांच लोगों ने मुझे सलाह दी थी कि अगर आप राजनीति में जाते हैं, तो दूसरी पार्टी आपको परेशान करेगी और आपके व्यवसाय को प्रभावित करेगी।" मैं सेवा करना चाहता हूं और सेवा करना चाहता हूं। मैं एक गरीब आदमी की झोंपड़ी में बैठा आदमी हूं। जेल गया तो कोई बात नहीं, सर पे कफन बांधकर आया हू महेश सवानी ने कहा, "मैं सेवा करना चाहता हूं और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मुझे इसके लिए जेल जाना है या नहीं।" मुझे गोली लगने से कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि मैंने अपना जीवन जिया है। समाज के काम में कभी राजनीति नहीं करनी चाहिए लेकिन अब समाज के काम में राजनीति भी हो रही है। इस प्रकार मैंने आम आदमी पार्टी को सेवा करते हुए देखा है इसलिए आप मैं शामिल हुआ हूं।भावुक हो गई सवानीउल्लेखनीय है कि प्रेस कांफ्रेंस के दौरान राज्याभिषेक काल का अनुभव साझा कर रहे महेश सवानी भावुक हो गए। सवानी ने कहा कि उन्होंने सौराष्ट्र में कोरोना आइसोलेशन सेंटर शुरू किया। लेकिन हमें यह सवाल करके केंद्र बंद करना पड़ा कि आप किस पार्टी से ताल्लुक रखते हैं और हमें अनुमति नहीं दी। मैंने अपनी दृष्टि में एक चाचा को मरते देखा। महेश सवानी ने जोर देकर कहा कि मैं सिर पर कफन लेकर बाहर आया हूं और जेल जाने को तैयार हूं। मैं दिल्ली सरकार की शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र के प्रदर्शन को देखकर पार्टी में शामिल हुआ हूं।

पवार ने किया साफ, कांग्रेस के बिना कोई वैकल्पिक राजनीतिक गठबंधन खड़ा नहीं किया जा सकता

मुंबई, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता शरद पवार का कहना है कि भले ही 'राष्ट्र मंच' की बैठक में गठबंधनों पर चर्चा नहीं की गई थी लेकिन यदि कोई वैकल्पिक गठबंधन बनता है तो कांग्रेस निश्चित रूप से इसका हिस्सा होगी। हालांकि पवार ने यह भी बताया कि उन्होंने बैठक में कहा था कि हमें सामूहिक नेतृत्व के साथ बढ़ना होगा। हमने वर्षों तक ऐसा किया है अभी हम सबको साथ रखकर काम करेंगे। मालूम हो कि बीते 22 जून को भाजपा विरोधी कई पार्टियों के नेताओं की राकांपा प्रमुख शरद पवार के आवास पर बैठक की थी जिसमें ज्यादातर क्षेत्रीय दल शामिल हुए।

बैठक में तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल समेत अनेक विपक्षी दलों और वाम दलों के नेता मौजूद रहे। इसे भाजपा को कहीं अधिक मजबूत चुनौती देने के लिए विपक्षी नेताओं के एकजुट होने की कवायद के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि बैठक में शामिल हुए नेताओं ने इसे गैर राजनीतिक बताया था। नेताओं ने इसे पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा के राष्ट्र मंच के बैनर तले समान विचार वाले लोगों के बीच एक संवाद करार दिया था। उस समय राकांपा नेता माजिद मेनन ने कहा था कि यह बैठक किसी भाजपा विरोधी मोर्चे या गैर-कांग्रेसी मोर्चे के गठन के लिए नहीं थी। माकपा नेता नीलोत्पल बुस ने भी कहा था कि यह राजनीतिक बैठक नहीं थी।

करीब दो घंटे तक चली इस बैठक में यशवंत सिन्हा के साथ नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला, सपा के घनश्याम तिवारी, रालोद के अध्यक्ष जयंत चौधरी, आप के सुशील गुप्ता, भाकपा के बिनय विस्वाम और माकपा के नीलोत्पल बसु बैठक में मौजूद रहे।

यही नहीं कांग्रेस के पूर्व नेता संजय झा और जदयू के पूर्व नेता पवन वर्मा ने भी बैठक में भाग लिया। बैठक में जावेद अख्तर, राजदूत केसी सिंह और न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एपी शाह आदि गैर सियासी हस्तियां भी शरीक हुई थीं।

यह बैठक चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर के साथ 11 जून को और सोमवार को हुई उनकी मुलाकात के बाद हुई थी। यह संयोग ही है कि यह बैठक पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस जीत के बाद हुई।

मुंबई में प्रैंक पड़ा भारी

14 साल के बच्चे ने फोन कर होटल ताज में आतंकी घुसने की बात कही, पुलिस ने एक घंटे में पिता के साथ पकड़ा

मुंबई में शनिवार को होटल ताज (कुलाबा) के रिसेप्शन पर एक अज्ञात शख्स ने फोन कर बताया कि ताज के पिछले गेट पर सुरक्षा बढ़ा दी जाए, क्योंकि वहां से दो लोग मास्क पहने गन लेकर घुसने वाले हैं। इस फोन के बाद सिक्योरिटी अलर्ट हो गई। सभी एंट्री और एग्जिट गेट की सुरक्षा टाइट करते हुए स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी गई।

मामले को गंभीर को देखते हुए मुंबई साइबर सेल और क्राइम ब्रांच की टीम ने इसकी जांच शुरू की और कुछ ही देर में पता चल गया कि यह फेक कॉल थी और एक 14 साल के लड़के ने प्रैंक करने के लिए ऐसा किया था। लड़का महाराष्ट्र के कराड का रहने वाला है, फिलहाल उसे और उसके पिता से पूछताछ जारी है। पुलिस ने सिर्फ एक घंटे में इस मामले को क्रैक कर दोनों को पकड़ लिया। लड़के के पिता ने बताया कि उसे बेटे की इस हरकत के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

कमियों को छिपाने में लगी भाजपा ओबीसी आरक्षण को बरकरार रखने में फेल

मुंबई, ओबीसी आरक्षण को बनाए रखने में फेल हो रही केंद्र सरकार के विरोध में उल्हासनगर शहर के कांग्रेस की ओर से नेहरू चौक पर धरना प्रदर्शन किया गया।

इस आंदोलन में शामिल आंदोलनकर्ता जिला कांग्रेस कमेटी प्रभारी रानी अग्रवाल, जिलाध्यक्ष रोहित साल्वे, साउथ ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धडके समेत कई पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को पुलिस ने पहले तो गिरफ्तार किया और फिर रिहा कर दिया।

इस आंदोलन में शामिल कार्यकर्ताओं एवं नेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार ओबीसी आरक्षण को लागू करने में पूरी तरह से फेल है, इसीलिए अपनी कमियों को छिपाने में लगी है। गौरतलब है कि शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार से देश के ओबीसी समाज की सूची की मांग की थी। लेकिन केंद्र सरकार और तत्कालीन राज्य की फडणवीस सरकार ने ये आंकड़े सर्वाच्च न्यायालय को नहीं दिया। इसी वजह से राज्य में स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं में राजनीतिक आरक्षण समाप्त हो गया है। केंद्र सरकार की ओबीसी विरोधी नीति के विरोध में शनिवार को राजर्षि छत्रपति साहू महाराज की जयंती को मनाते समय सामाजिक न्याय दिवस पर केंद्र में भाजपा सरकार के खिलाफ कांग्रेस पार्टी द्वारा राज्यव्यापी आंदोलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उल्हासनगर पीपुल्स रिपब्लिक पार्टी के नगरसेवक व ठाणे जिला अध्यक्ष प्रमोद टाले ने भी आंदोलन का समर्थन किया। साथ ही कांग्रेस की गटनेता नगरसेविका अंजलि सालवे, पूर्व महापौर मालती करोतिया, साउथ ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धडके, आशाराम टाक, बालू पगारे, दीपक सोनोने, अनिल सिन्हा, मनोहर मनुजा, वझरूद्दीन खान, महादेव शेलार, विशाल सोनवने, किशोर उदासी, नीलेश केदार, रोहित आव्हाड, अख्तर खान, रंजीत साल्वे, भागवत तायड़े, समाधान अंभोरे, राजेश मल्होत्रा , फरियाद शेख, चिराग फक्के आदि के अलावा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विपक्षी एकता पर सवाल

एनसीपी प्रमुख और राष्ट्रीय राजनीति के कद्दावर नेता शरद पवार के घर पर मंगलवार को हुई 'लाइक माइंडेड' लोगों की बैठक विपक्षी एकता की दिशा में कितनी बड़ी पहल है, इस सवाल पर जाने से पहले यह देख लेना ठीक होगा कि खुद इस पहल से जुड़े लोग इसे कितनी अहमियत दे रहे हैं। जिन शरद पवार के घर यह बैठक हुई, वह खुद को मेजबान तक मानने को तैयार नहीं। कहा जा रहा है कि बैठक के लिए आमंत्रण यशवंत सिन्हा ने भेजा था, इसलिए बैठक उन्हीं की बुलाई हुई मानी जाएगी। जिनकी बुलाई हुई बैठक थी, वह भी बैठक के बाद मीडिया के सामने नहीं आए। जो लोग मीडिया के सामने आए, उनकी भी ज्यादा मेहनत यही साबित करने में लगी कि यह कोई राजनीतिक बैठक नहीं थी, न ही इसका मकसद विपक्षी दलों का कोई साझा मोर्चा वगैरह बनाना था। यह भी कहा गया कि भले कांग्रेस से कोई इस बैठक में शामिल नहीं हुआ, लेकिन इसका मतलब यह न माना जाए कि यहां कांग्रेस के

बगैर विपक्षी एकता की खिचड़ी पकाने का कोई प्रयास हो रहा था। बहरहाल, इन तमाम सफाइयों और स्पष्टीकरणों से बैठक की अहमियत कम नहीं होती, इनसे सिर्फ यह अंदाजा मिलता है कि विपक्ष की राजनीति की जटिलता आज कितनी बढ़ गई है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने निश्चित रूप से विपक्षी खेमे का हौसला बढ़ाया है। उसे 2024 लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ बीजेपी और एनडीए को हराने का लक्ष्य अब पहले जैसा नामुमकिन नहीं लग रहा। लेकिन आम चुनाव से पहले यूपी विधानसभा चुनाव में खासी जोर-आजमाइश होगी। ऐसे में वे तमाम ताकतें जो बीजेपी को सत्ता से बाहर देखना चाहती हैं, अगर आपस में संवाद और समन्वय के सूत्र मजबूत कर रही हैं तो यह आश्चर्य की कोई बात भले न हो, महत्वपूर्ण जरूर है। अक्सर ऐसे छोटे-छोटे प्रयासों का बड़ा नतीजा निकलता है। दिक्कत बस यह है कि विपक्ष की एकजुटता या उनमें समन्वय का लक्ष्य महज बातचीत से हासिल नहीं होने वाला। इस प्रक्रिया में शामिल तमाम छोटी-छोटी पार्टियां और नेता अपनी-अपनी राजनीतिक जमीन का विस्तार करने का मकसद भी साथ लिए चल रहे हैं, जो मौजूदा हालात में आम तौर पर कांग्रेस की कीमत पर ही संभव है। जाहिर है, कांग्रेस स्वेच्छा से तो इसे मंजूर नहीं कर सकती। ऐसे में स्पष्ट है कि बातचीत, विचार-विमर्श और मेलजोल के बीच आपस में शक्ति परीक्षण की प्रक्रिया भी चलती रहेगी। 'तुम्हीं से दोस्ती और तुम्हीं से लड़ाई' की मौजूदा मजबूरी का ही नतीजा है कि कांग्रेस को साथ न रखते हुए भी साथ बताया जाए और कांग्रेस अलग रहते हुए भी खुद को अलग न बताए। बहरहाल, इन्हीं जटिलताओं के बीच और ऐसी ही प्रक्रिया से विपक्षी एकता का कोई स्वरूप उभरेगा।

सरकार दे मुआवजा

किरीट ए. चावड़ा

कोरोना महामारी का शिकार हुए लोगों के परिवारों को सहायता देने के सवाल पर केंद्र सरकार का रुख हैरान करता है। पहले तो उसने कहा कि इतना बड़ा खर्च उठाना उसके बूते की बात नहीं है। बाद में इस पर स्पष्टीकरण देते हुए सरकार ने माना कि समस्या संसाधनों की कमी की नहीं है। पैसे तो उसके पास हैं, लेकिन वह इन्हें स्वास्थ्य ढांचे को दुरुस्त करने, ऑक्सिजन और टीके की निर्बाध सप्लाई सुनिश्चित करने और अर्थव्यवस्था की रफ्तार तेज करने जैसे कार्यों में लगाना चाहती है। स्वास्थ्य ढांचा मजबूत करने और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने जैसे उद्देश्यों की अहमियत से भला कौन इनकार कर सकता है, ये काम सरकार की प्राथमिकताओं में होने ही चाहिए, लेकिन सवाल इस मान्यता पर जरूर उठता है जो यह संकेत दे रही है कि अगर कोरोना से पीड़ित जरूरतमंद परिवारों को मदद दी जाएगी तो सरकार इन बड़े उद्देश्यों पर काम नहीं कर पाएगी। ध्यान रहे कि कोरोना से हुई मौतों के मामले में संबंधित परिवारों को प्रति परिवार 4 लाख रुपये मुआवजा देने का प्रस्ताव विचाराधीन है। यह भी कहा जा चुका है कि अगर यह बहुत ज्यादा है तो सरकार अपनी

तरफ से कोई राशि बताए, जिससे इन परिवारों की मदद हो जाए और उस पर असह्य बोझ भी न पड़े। सरकार ने कहा भी है कि वह इस पर विचार कर रही है कि रकम कितनी हो। तब तक अगर 4 लाख रुपये को अंतिम मान कर चलें और कोरोना से हुई मौतों की संख्या पांच लाख मान लें- वैसे आधिकारिक तौर पर फिलहाल यह आंकड़ा चार लाख से कम ही है- तो भी रकम होती है 20,000 करोड़ रुपये। यह देश के जीडीपी के एक फीसदी का एक हजारवां हिस्सा है। यह कहना हास्यास्पद है कि सरकार इतने बड़े खर्च का बोझ नहीं उठा सकती। यह मान लेना भी तर्कसंगत नहीं होगा कि मदद के रूप में दी गई यह राशि पानी में चली जाएगी और इसका अर्थव्यवस्था को खड़ा करने में कोई योगदान नहीं होगा। जिन परिवारों तक भी यह मदद पहुंचेगी, वे निश्चित रूप से इस रकम को खर्च करेंगे, जिससे बाजार में मांग पैदा होगी। यह शेयर बाजार की उठा-पटक की भेंट नहीं चढ़ने वाली। दूसरे शब्दों में, जिसे सरकार का एक विभाग मुआवजा मान रहा हो, उसे दूसरा विभाग आर्थिक पैकेज के रूप में देख सकता है। वैसे भी महामारी से पीड़ित आबादी को सरकार की तरफ से कोई मदद देनी है या नहीं, यह पूरी तरह से राजनीतिक सवाल है। वित्तीय अनुशासन से जुड़ी सामान्य कसौटियों को असाधारण चुनौतियों के मौजूदा दौर में किस हद तक मान्य या अमान्य करना है, यह तय करना भी आज राजनीतिक नेतृत्व की एक अहम जिम्मेदारी हो गई है।

किस्मत का नहीं, कौशल का खेल है फैंटेसी स्पोर्ट्स

जिगर डी वाढेर

भारत के युवाओं में खासकर खेल प्रेमियों में पिछले डेढ़ दशक में काफी परिवर्तन देखने को मिला है। क्रिकेट के पीछे भागने वाले भारतीय युवाओं के हाथ में अब सिर्फ बैट एवं गेंद ही नहीं, बल्कि बास्केटबॉल, फुटबॉल और हॉकी भी दिख रही है। यही नहीं एक समय तक ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित रहने वाली कबड्डी भी अब शहरों में बने उच्च गुणवत्ता के मैदानों में खेली जा रही है। यह बदलाव इस बात का सूचक है कि भारत अब मल्टी-स्पोर्ट देश बनने की तरफ अग्रसर हो चुका है।

समय के साथ हो रहे इस सुखद परिवर्तन को जब हम देख रहे हैं, तो मस्तिष्क में एक प्रश्न भी कौंधता है कि भारत में हुए इस बदलाव का कारण क्या हैं? सामान्य तौर पर इंटरनेट और मोबाइल को हम इसकी वजह मान सकते हैं, लेकिन जब हम अपने अध्ययन को विस्तार देते हैं, तो इसमें बड़ा योगदान फैंटेसी स्पोर्ट्स का भी मिलता है। फैंटेसी स्पोर्ट्स ने भारतीय युवाओं की अन्य खेलों में रुचि जगाई है एवं भारत की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में भी सहयोग किया है। कम कीमत पर मोबाइल और डेटा का मिलना एवं अच्छी इंटरनेट की कनेक्टिविटी के कारण फैंटेसी स्पोर्ट्स पिछले कुछ वर्षों में तेजी से विकास कर रहा है।

फैंटेसी स्पोर्ट्स क्या है?

सही मायने में कहा जाए तो फैंटेसी स्पोर्ट्स विशेषज्ञता का खेल है, जिसमें आपका हुनर आपकी जीत तय करता है। इसमें म्यूचुअल फंड में निवेश करने से ज्यादा कौशल की आवश्यकता होती है। यह बात एमआईटी (मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी) और कोलंबिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा 'इज़ इट लक और स्किल?' शीर्षक से प्रकाशित रिसर्च से साबित होती है। इस रिसर्च में कहा गया है कि म्यूचुअल फंड प्रबंधन से ज्यादा कौशल की आवश्यकता फैंटेसी स्पोर्ट्स की टीम के चयन में होती है। फैंटेसी स्पोर्ट्स का आधार वास्तविक और सजीव प्रसारित होने वाले खेल हैं। इसमें प्रतिभाग करने वाले लोग दोनों टीमों के खिलाड़ियों के साथ अपनी टीम बनाते हैं। मैच शुरू होने के बाद टीम में बदलाव की अनुमति नहीं होती है। वास्तविक मैच में खिलाड़ियों द्वारा किए गए प्रदर्शन के आधार पर प्रतिभागी को एप में प्वाइंट मिलते हैं और इसके बाद नतीजे आते हैं। फैंटेसी स्पोर्ट्स ऐसे खेल होते हैं, जिनमें खेल प्रशंसक अपने हुनर और ज्ञान का बेहतर इस्तेमाल करके अपनी वर्चुअल टीम से अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। इसे लोग अपने दोस्तों और परिवार के सदस्यों के साथ खेलते हैं। वास्तव में फैंटेसी स्पोर्ट्स खेल प्रशंसकों की खेल में रुचि बनाए रखने का मंच है, जिसके माध्यम से खेल प्रशंसक एक दूसरे के समक्ष अपने कौशल का प्रदर्शन कर पाते हैं। आज कल सब कुछ डिजिटल हो गया है जैसे चैटिंग, पेमेंट, ओटीटी प्लेटफॉर्मस इसी तरह से फैंटेसी स्पोर्ट्स भी खेल प्रशंसकों के लिए डिजिटल माध्यम की तरह काम आता है।सट्टा या जुआ नहीं है फैंटेसी स्पोर्ट्स फैंटेसी स्पोर्ट्स के विरोधी इसके बारे में जाने बगैर ही इसे सट्टे की कतार में खड़ा कर देते हैं। इसको हम इस तरह से समझ सकते हैं कि पे-टू-प्ले फैंटेसी स्पोर्ट्स को खेलने के लिए बालिग होना अनिवार्य है। जीतने पर विजेता को सरकारी आईडी प्रूफ देना पड़ता है। ऑनलाइन खेले जाने वाले इस खेल के 80 प्रतिशत उपयोगकर्ता बिना किसी उत्साह के इसमें भाग लेते हैं। वहीं जो लोग पूरे जुनून के साथ इस स्पोर्ट्स में हिस्सा लेते हैं उनमें से ज्यादातर लोग औसतन 35 रुपये में भाग लेते हैं। 50 प्रतिशत से अधिक उपयोगकर्ता जीतते हैं। फैंटेसी स्पोर्ट्स विशेषज्ञता का खेल है। आईआईएम बेंगलुरु, एमआईटी और कोलंबिया यूनिवर्सिटी का गहन अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं। साल 2017 में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने कहा था कि ऑनलाइन खेलों की प्रतियोगिता में भागीदारी जरूरी होती है, जिसमें कौशल, निर्णय और विवेक का समावेश हो, उन्हें 'स्किल का खेल' माना जाना चाहिए। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि जिन प्रतियोगिताओं में पर्याप्त कौशल शामिल है, वह जुआ नहीं होता है। ऐसी प्रतियोगिताएं व्यावसायिक गतिविधियां हैं, जो संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (छ) का हिस्सा हैं। बॉम्बे और राजस्थान हाईकोर्ट भी कुछ इसी तरह के आदेश दे चुके हैं। इस संबंध में हाईकोर्ट की टिप्पणियां बिल्कुल सही हैं, क्योंकि फैंटेसी खेलों में आपकी स्किल, आपकी चतुराई और आपकी कुशलता के बाद ही सफलता मिलती है। यानि ऐसे खेलों में आपकी मौजूदगी होती है, आप शामिल होते हैं या आप इसका हिस्सा होते हैं। हां जरूरत इस बात की है कि केंद्र सरकार को इसके लिए पूरे देश में एक गाइड लाइन बनानी चाहिए।

जिससे हर राज्य में इन खेलों के लिए एक नियम हों। इससे राज्यों को, केंद्र को, फैंटेसी स्पोर्ट्स ऑपरेटर्स को और स्पोर्ट्स फैन्स को भी फायदा होगा। फैंटेसी स्पोर्ट्स कंपनियों ने हाल के दिनों में अपने प्लेटफॉर्म पर पारदर्शिता रखने के लिए काफी काम किया है। साथ ही पेड कॉन्टेस्ट में भी सभी जरूरी नियमों का पालन होता है। पेमेंट गेटवे को लेकर सभी कानूनी प्रक्रियाओं का ध्यान रखा जाता है। इसकी सबसे खास बात ये है कि इसमें प्रतिभागी जो टीम बनाता है वो सबको दिखती है और दूसरों की टीम भी प्रतिभागी को दिखती है। इससे पारदर्शिता और ज्यादा बढ़ जाती है। इतना ही नहीं जो भी प्रतिभागी इस खेल में प्राइस मनी जीतता है, उसकी जानकारी सभी को मिलती है। इसलिए इसमें टैक्स चोरी जैसी आशंका है ही नहीं। यही नहीं स्व-नियामक के रूप में फेडरेशन ऑफ इंडियन फैंटेसी स्पोर्ट्स (एफआईएफएस) उपयोगकर्ताओं और ऑपरेटरों के हितों की रक्षा करती है। एफआईएफएस स्व-नियमन और परिचालन की दक्षता के उच्च मानकों को स्थापित कर रहा है।

पर्यावरण संरक्षण की प्रतिज्ञा कितनी सच्ची?

भूपेन्द्र पटेल

विश्व पर्यावरण दिवस पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने पारिस्थितिकी तंत्र पुनर्बहाली दशक की शुरुआत की है। इस वर्ष का थीम भी यही रखा गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर इसकी घोषणा करते हुए एक वीडियो संदेश जारी किया। अपने संबोधन में श्री गुटेरेस ने जैव विविधता को हो रहे नुकसान, जलवायु परिवर्तन और तेजी से बढ़ते प्रदूषण – इन तीन प्रमुख पर्यावरणीय समस्याओं पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि अब तक के वैज्ञानिक अध्ययनों के आधार पर कहा जा सकता है कि आने वाले 10 साल हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। यह अवधि जलवायु से जुड़ी आपदाओं को टालने का अंतिम अवसर होगा। श्री गुटेरस ने कहा की इस आपदा को टालने के लिए सभी सरकारों, उद्यमों और व्यवसाय जगत से जुड़े लोगों, सिविल सोसायटी और हम सब को मिलकर योगदान करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यह सामूहिक जिम्मेदारी बनती है। संयुक्त राष्ट्र संघ प्रमुख की इतनी स्पष्ट चेतावनी को ध्यान में रखकर क्या हम ये उम्मीद कर सकते हैं कि हम अपनी नीतियों, रणनीतियों और कार्यप्रणाली में कोई बड़ा और मूलभूत बदलाव लाएंगे? यदि हम अपने अतीत के आचरण और पहले ली गई प्रतिज्ञाओं का हस्र देखें तो इसकीबहुत सम्भावना नहीं दिखती।बात करें सतत विकास की अवधारणा की तो इसका नारा हम 30 से भी ज्यादा वर्षों से देते आ रहे हैं। इस शब्द की, प्रासंगिक सन्दर्भ में उत्पत्ति 'हमारा साझा भविष्य' नामक एक दस्तावेज से हुई थी, जो ब्रंटलैंड आयोग द्वारा दिया गया था। इस आयोग ने 1987 में पर्यावरण और विकास पर संयुक्त राष्ट्र संघ में पेश अपनी रिपोर्ट में सतत विकास की अवधारणा पेश की थी। सतत विकास, यानी वह विकास जो भविष्य की पीढ़ियों की अपनी जरूरतों को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान पीढ़ी की जरूरतों को पूरा करता है।

निश्चित तौर पर सैद्धांतिक दृष्टिकोण से विकास की इससे बेहतर कोई अवधारणा नहीं हो सकती। इसके बाद के घटनाक्रम को अगर हम देखें तो इसे लागू करने की इच्छा शक्ति का अभाव स्पष्ट परिलक्षित होता है और इसीलिए यह केवल महत्वपूर्ण दिवसों पर और सम्मेलनों में दुहराया जाने वाला जुमला बनकर रह गया है जिसे हर बार नये नये पहनावे में (सुन्दर गढ़े शब्दों मे) दुनिया के सामने प्रस्तुत किया जाता है, केवल यह जताने के लिए कि हम समस्या के प्रति सजग हैं और कुछ ठोस काम कर रहे हैं।

पर्यावरण और विकास पर 1992 में रियो डी जेनेरो में आयोजित पृथ्वी शिखर सम्मेलन के माध्यम से भी संयुक्त राष्ट्र संघ ने सतत विकास की अवधारणा के लिए प्रतिबद्धता दोहराई। इसके पश्चात सन 2002 में दक्षिण अफ्रीका के जोहांसबर्ग में पृथ्वी सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस सम्मेलन में सभी देशों का पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान आकर्षित किया गया। रियो डे जेनेरियो में 2012 में संयुक्त राष्ट्र सतत विकास सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस सम्मेलन में एक ऐसे भविष्य की कल्पना की गई जिसमें सभी की पारिस्थितिकी एवं आर्थिक अवसर उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता थी। सम्मेलन के निष्कर्षों पर 180 देशों ने अपनी सहमति दी।

इसके बाद वर्ष 2015 में सतत विकास शिखर सम्मेलन में 193 देशों के बीच सतत विकास के लिए एजेंडा 2030 पर सहमति बनी। इसका उद्देश्य वर्ष 2030 तक अधिक संपन्न, अधिक समतावादी और अधिक संरक्षित विश्व की रचना करना है । और अब संयुक्त राष्ट्र संघ प्रमुख ने एक बार फिर 10 वर्षों की समय सीमा तय की है।

पिछले लगभग 35 वर्षों में हम जब ये सम्मेलन आयोजित कर नए दस्तावेज और नारों का सृजन कर रहे थे तो हमारी धरती माँ और प्रकृति किस वेदना से गुजर रही थी, आइए इन्हीं संस्थाओं के आंकड़े और प्रतिवेदनों की नजरों से देखते हैं। आईपीसीसी की एक विशेष रिपोर्ट के अनुसार 1970 के बाद से वैश्विक औसत तापमान 1.7 डिग्री सेल्सियस प्रति शताब्दी की दर से बढ़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक उत्सर्जन की वर्तमान दर यदि बरकरार रही तो ग्लोबल वार्मिंग 2030 से 2052 के बीच 1.5 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाएगा। मानवीय क्रियाकलापों से परिवर्तन की ये वैश्विक दरें भू – भौतिकीय या जीवमंडल बलों द्वारा संचालित परिवर्तन की उन दरों से कहीं अधिक है जिसने अतीत में पृथ्वी प्रणाली प्रक्षेपवक्र को बदल दिया है। यहां तक कि अचानक हुई भूभौतिकीय घटनाओं से उत्पन्न उत्सर्जन भी मानव-जनित परिवर्तन की वर्तमान दरों से कम हैं। नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन, यूएसए की 2020 की वार्षिक जलवायु रिपोर्ट के अनुसार 1880 के बाद से भूमि और समुद्र के संयुक्त तापमान में 0.13 डिग्री फ़ारेनहाइट (0.08 डिग्री सेल्सियस) प्रति दशक की औसत दर से वृद्धि हुई है। हालांकि 1981 के बाद से वृद्धि की औसत दर (0.18 डिग्री सेल्सियस / 0.32 डिग्री फारेनहाइट) इससे भी दोगुने से अधिक रही है। जैव विविधता के संबंध में 2019 की संयुक्त राष्ट्र संघ में प्रस्तुत प्रतिवेदन अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी देता है।

इसका सारांश वर्ष 2019 में पेरिस में आई पी बी ई एस की बैठक के सातवें सत्र में 29 अप्रैल से 7 मई के बीच अनुमोदित की गई थी। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि धरती पर लगभग दस लाख जानवरों और पौधों की प्रजातियों पर विलुप्त होने का खतरा है और कुछ तो आनेवाले कुछ दशकों में ही विलुप्त हो सकते हैं। ऐसा पहले मानव इतिहास में कभी नहीं हुआ। एफ ए ओ तथा यू एन ई पी की 2020 में पेश विश्व की वनों की स्थिति पर रिपोर्ट में कहा गया है कि 1990 के बाद से 420 मिलियन हेक्टेयर भूमि पर वन क्षेत्र को काटा जा चुका है और अब इस भूमि का उपयोग अन्य कार्यों के लिए हो रहा है। ऐसा तब जबकि पिछले तीन दशकों में वनों की कटाई दर में कमी आई है। एक अनुमान के अनुसार 2015 और 2020 के बीच वनों की कटाई की दर प्रति वर्ष 10 मिलियन हेक्टेयर के आसपास थी जो 1990 के दशक में प्रति वर्ष 16 मिलियन हेक्टेयर की तुलना में कम हुई है।

स्थानीय निकायों में OBC आरक्षण की मांग को लेकर महाराष्ट्र BJP का प्रदर्शन, देवेंद्र फडणवीस हिरासत में

मुंबई, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की महाराष्ट्र इकाई ने स्थानीय निकायों में अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी) के लिए आरक्षण बहाल करने की मांग को लेकर शनिवार को राज्यभर में 'चक्का जाम' किया। इस दौरान देवेंद्र फडणवीस समेत अन्य बीजेपी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर बाद में रिहा कर दिया गया। पार्टी ने पहले घोषणा की थी कि वह राज्य भर में 1,000 स्थानों पर विरोध प्रदर्शन करेगी।

विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस ने अपने गृह जिले नागपुर में विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया, जबकि विधान परिषद में विपक्ष के नेता प्रवीण दारेकर ठाणे में प्रदर्शन में शामिल हुए। इन प्रदर्शनों के कारण ठाणे को मुंबई से जोड़ने वाला सड़का मार्ग कुछ देर के लिए बाधित हो गया। भविष्य में बड़े प्रदर्शन का ऐलान

देवेंद्र फडणवीस को हिरासत में लिया गया और बाद में रिहा कर दिया गया। पुणे में प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाली पूर्व मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा कि यदि बीजेपी की मांग पूरी नहीं होती है, तो पार्टी भविष्य में और बड़े प्रदर्शन करेगी।

पंकजा मुंडे ने लगाया आरोप

पकंजा मुंडे ने आरोप लगाया कि राज्य में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार ओबीसी के राजनीतिक आरक्षण को बरकरार रखने में नाकाम रही। मुंडे ने कहा, 'सरकार ओबीसी आरक्षण को हासिल करने में नाकाम रही, जो कि समुदाय के उत्थान के लिए आवश्यक है।'

'चुनाव आयोग से करें चुनाव रद्द करने की मांग'

मुंडे ने आरोप लगाया कि जब ओबीसी आरक्षण संबंधी मामला अदालत में लंबित था, तब राज्य सरकार सहकारी क्षेत्र में चुनाव सहित विभिन्न चुनावों को टालती रही और अदालत ने जब आरक्षण समाप्त कर दिया, उसे बाद ही चुनावों की घोषणा की गई। उन्होंने कहा, 'हम मांग कर रहे हैं कि ओबीसी आरक्षण बहाल किया जाए और तब तक कोई चुनाव नहीं होना चाहिए। हम चाहते हैं कि सरकार चुनाव स्थगित करने की मांग को लेकर हमारे साथ मिलकर चुनाव आयोग से संपर्क करे।'

'बिना आरक्षण चुनाव नहीं होने देंगे'पंकजा मुंडे ने कहा कि अगर ओबीसी आरक्षण के बिना चुनाव होते हैं, तो हम और बड़ा विरोध प्रदर्शन करेंगे। यह 'चक्का जाम' सिर्फ एक ट्रेलर है। एक अन्य बीजेपी नेता और राज्य के पूर्व मंत्री गिरीश महाजन और विधायक मंगल प्रभात लोढ़ा ने इस मामले को लेकर मुंबई में राज्य सचिवालय 'मंत्रालय' के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

बीजेपी-शिवसेना सरकार ने 2019 में स्थानीय निकायों में ओबीसी को राजनीतिक आरक्षण दिया था, लेकिन उच्चतम न्यायालय ने कहा कि महाराष्ट्र में संबंधित स्थानीय निकायों में ओबीसी के लिए आरक्षण, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं ओबीसी के लिए आरक्षित कुल सीटों के 50 फीसदी से अधिक नहीं हो सकता।

सुप्रीम कोर्ट रद्द कर चुकी है अधिसूचनाएं

शीर्ष अदालत ने महाराष्ट्र जिला परिषद और पंचायत समिति अधिनियम 1961 के भाग 12 (2) (सी) की व्याख्या की थी। सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी के लिए संबंधित स्थानीय निकायों में सीटों का आरक्षण प्रदान करने की सीमा से संबंधित राज्य चुनाव आयोग की वर्ष 2018 और 2020 में जारी अधिसूचनाओं को रद्द कर दिया था।

उपचुनाव स्थगित करने की मांग

बीजेपी का आरोप है कि एमवीए सरकार की निष्क्रियता के कारण यह आरक्षण रद्द हुआ। राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) ने धुले, नंदुरबार, वाशिम, अकोला और नागपुर जिलों में उपचुनावों की घोषणा की है और जिला परिषद की 85 सीटें और 144 पंचायत समिति सीटों के लिए चुनाव होने जा रहे हैं।

बीजेपी ने शुक्रवार को मांग की कि राज्य सरकार उच्चतम न्यायालय का तत्काल रूख कर पांच जिलों में जिला परिषद उपचुनाव स्थगित करने का अनुरोध करे।

ऐप बेस्ड टैक्सी सर्विस में अलग लेवल की परेशानी

मुंबई, लोकल ट्रेनों के अभाव में कई लोग ऑटो टैक्सी या ऐप बेस्ड प्राइवेट टैक्सी का सहारा ले रहे हैं। काली पीली टैक्सी और ऑटो में यात्रियों की संख्या को लेकर कोई संशय नहीं है, लेकिन ऐप बेस्ड टैक्सी लेने पर ग्राहकों और टैक्सी ड्राइवर के बीच तकरार की शिकायतें मिल रही हैं। दरअसल, महाराष्ट्र में कई जिलों का लेवल कोरोना संक्रमण के हिसाब से अपग्रेड हो रहा है। लेवल निकालने के लिए सरकार ने एक फॉर्मूला बनाया है, जिसके आधार पर ऐप बेस्ड टैक्सी वालों ने यात्रियों की संख्या 4 तक कर दी है। एग्रीगेटर कैब सर्विस की यूनियन का कहना है कि ऐप में बुकिंग के दौरान लोगों को 4 यात्री दिख रहे हैं और जब टैक्सी पिक अप के लिए आती है, तब ड्राइवर दो यात्रियों को ही लेता है। ऐसे में बुकिंग कराने वाले पैसेंजर्स से रोजाना झगड़े की शिकायतें मिल रही हैं।

महाराष्ट्र राज्य राष्ट्रीय कामगार संघ के शाहनवाज हुसैन का कहना है कि कंपनियों की इस भूल के कारण ड्राइवर को भुगतना पड़ रहा है। पिक अप पॉइंट पर झगड़ा होने के बाद यात्री टैक्सी छोड़ देते हैं, ड्राइवर का ईंधन भी व्यर्थ होता है और सौदा महंगा पड़ता है। नहीं हो रही है सुनवाई हुसैन ने बताया कि उन्होंने कई बार सोशल मीडिया के जरिए और अन्य माध्यम से कंपनियों से संपर्क किया, लेकिन उनकी ओर से कोई सुनवाई नहीं हो रही है। कंपनियों द्वारा नजरअंदाज करना और सरकार के प्रतिबंधों के बीच ड्राइवर पिस रहा है। कई बार पैसेंजर उन्हें झगड़े के बाद निम्न रेटिंग देते हैं, जिसका असर उनके बिजनेस पर पड़ रहा है।

मुंबई के कैंपों में फर्जी वैक्सीनेशन मामले में अब तक 8 गिरफ्तार

मुंबई, मुंबई में फर्जी वैक्सीनेशन के मामले में अभी तक 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बॉम्बे हाई कोर्ट में महाराष्ट्र सरकार ने बताया है कि मुंबई में नौ अलग-अलग टीकाकरण शिविरों में 2,053 लोग फर्जी वैक्सीन का शिकार हुए हैं। बोरिवली में 514, कांदिवली में 398, वर्सोवा में 365, लोअर परेल में 207 और मालाड में 30 लोगों को फर्जी टीका लगाने के मामले सामने आए हैं। फेक वैक्सीनेशन मामले में 8 लोगों को अब तक गिरफ्तार किया गया है। शिवम अस्पताल से वैक्सीन की डोज सप्लाय होने के बात सामने आई है, जिसमें अस्पताल के 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अब तक 7 जगहों पर एफआईआर दर्ज किया गया है। वैक्सीनेशन के सभी 9 कैम्प के आयोजन में एक ही रैकेट के इन्वॉल्वमेंट की बात अब तक कि जांच में पता चली है। 12 लाख 40 हजार रकम जब्त, फेक कैम्प के लिए इस्तेमाल की गई कार जब्त की गई। अब तक 2000 लोगों को फेक वैक्सीन दी गई। ज्यादातर सलाइन वॉटर वैक्सीन की जगह दी गई। अब तक 400 गवाहों के बयानों के आधार पर कई एफआईआर दर्ज की गई हैं।

प्रवर्तन निदेशालय के समन पर पेश नहीं हुए अनिल देशमुख, वकील को भेजकर मांगा समय

मुंबई, प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने मनी लॉन्ड्रिंग के केस में पूछताछ के लिए महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख को शनिवार को पेश होने का समन जारी किया था। लेकिन देशमुख ईडी के दफ्तर नहीं पहुंचे और वकीलों के जरिए किसी अन्य दिन पेश होने का समय मांगा है। 100 करोड़ रुपए की रिश्वत के आरोपों से जुड़े धनशोधन मामले में पूछताछ के लिए देशमुख को बुलाया गया था। प्रवर्तन निदेशालय की पूछताछ के सिलसिले में देशमुख के वकील जयवंत पाटिल ने बताया, 'हमने प्रवर्तन निदेशायल को ऐप्लिकेशन देकर उन दस्तावेजों को तैयार करने की मांग की है जिसके आधार पर सवाल किया

जाना है। जांच की आधार के बारे में हमें कोई भी जानकारी नहीं है। इसलिए हम पूछताछ के लिए हाजिर नहीं हो सकते हैं। अब ईडी को इस पर फैसला लेना होगा।'

इससे पहले मनी लॉन्ड्रिंग केस में अनिल देशमुख को समन जारी करके उनसे शनिवार को जांच एजेंसी के समक्ष पेश होने को कहा। अधिकारियों के अनुसार एनसीपी नेता को यहां बलार्ड एस्टेट इलाके में ईडी कार्यालय में मामले के जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने का आदेश जारी किया था। समन को धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत जारी किया गया और देशमुख को दिन में 11 बजे तक पेश होने का समय दिया गया था। केंद्रीय एजेंसी ने देशमुख के निजी सचिव संजीव पलांडे और निजी सहायक कुंदन शिंदे को शुक्रवार रात गिरफ्तार किया था। इससे पहले, ईडी ने मुंबई और नागपुर में देशमुख, पलांडे और शिंदे के परिसरों पर छापे मारे थे। छापेमारी के बाद पलांडे और शिंदे को ईडी कार्यालय लाया गया। अधिकारियों ने बताया कि दोनों को शनिवार को मुंबई में विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया जाएगा, जहां ईडी उनसे पूछताछ के लिए उनकी हिरासत का अनुरोध करेगी। सीबीआई ने बंबई उच्च न्यायालय के आदेश पर एक नियमित मामला दर्ज करने के बाद प्रारंभिक जांच शुरू की थी, जिसके बाद देशमुख एवं अन्य के खिलाफ ईडी ने मामला दर्ज किया।

एंटीलिया केस-गिरफ्तार सचिन वझे पर कसा शिकंजा, ACB ने आय से अधिक संपत्ति जमा करने के मामले में शुरू की जांच

महाराष्ट्र भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) ने मुंबई पुलिस से बर्खास्त किए गए अधिकारी सचिन वझे के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में जांच शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि यह खुली जांच ACB के महानिदेशक के आदेश पर शुरू की गई है। उन्होंने बताया, 'एसीबी अधिकारी वझे की चल एवं अचल संपत्ति की जांच करने के साथ ही उनकी संपत्ति के स्रोतों की जांच करेगी।' वझे को 25 फरवरी को दक्षिण मुंबई में उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के बाहर विस्फोटकों से भरी एसयूवी रखने के मामले में और बाद में ठाणे निवासी कारोबारी मनसुख हिरेन की हत्या के मामले में कथित भूमिका के लिए नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने इस साल मार्च में गिरफ्तार किया था। वझे के खाते में मिले हैं डेढ़ करोड़ रुपए अधिकारी ने बताया कि मामले में NIA की जांच के दौरान, वझे द्वारा शुरू की गए एक कंपनी के बैंक खाते में डेढ़ करोड़ रुपये मिले थे। यह बात भी सामने आई कि वझे ने पिछले कुछ दिनों में एक सहयोगी को कुल 76 लाख रुपए कथित तौर पर दिए थेवझे की गिरफ्तारी के बाद, NIA ने विशेष अदालत को बताया कि वह इस राशि का स्रोत पता लगाना चाहती है और यह जांचना चाहती है कि वह खुद के लिए वसूली कर रहे थे या दूसरों के लिए। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि वह यह भी पता लगाना चाहती है कि वझे के स्तर के किसी अधिकारी के पास इतना पैसा कहां से आया। अधिकारी ने कहा, 'पूर्व में वझे के खिलाफ रिश्वतखोरी और आय से अधिक संपत्ति रखने की दो गुमनाम शिकायतें की गई थी।'

महाराष्ट्र में कोरोना-पॉजिटिविटी रेट घटकर 0.15 फीसदी पर आने के बावजूद 7 जिलों ने बढ़ाई सरकार की चिंता, अलग से एक्शन की तैयारी शुरू

महाराष्ट्र में पॉजिटिविटी रेट घटकर 0.15 फीसदी पर आने के बावजूद रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, सातारा, सांगली, कोल्हापुर और हिंगोली, इन सात जिलों में कोरोना संक्रमण बढ़ने से मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे चिंतित हैं। मुख्यमंत्री ने बुधवार को कोरोना महामारी की राज्य में स्थिति पर एक समीक्षा बैठक की। जिसमें स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे, मुख्य सचिव सिताराम कुंटे, स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. प्रदीप व्यास, टास्क फोर्स के डॉ.संजय ओक और डॉ.शशांक जोशी सहित कई लोग उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने इस बैठक में राज्य के सात जिलों में कोरोना संक्रमण बढ़ने पर चिंता व्यक्त करते हुए टेस्टिंग और वैक्सीनेसन बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर अभी तक पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई है, इसलिए लॉकडाउन जैसी लगाई गई पाबंदियों से जल्दबाजी में जिला प्रशासन ढील न दें। उन्होंने कोरोना के खिलाफ जारी जंग में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतने की हिदायत देते हुए संभावित तीसरी लहर का मुकाबला करने के लिए तैयार रहने का आदेश दिया है। इसके लिए जिला स्तर पर ऑक्सीजन, ICU बेड्स बढ़ाने और फील्ड अस्पतालों की सुविधाओं का नियोजन अभी से करने का निर्देश दिया।

गोवा-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस पटरी से उतरी, बड़ा हादसा टला

मुंबई, एजेंसियां। हजरत निजामुद्दीन से मडगांव जाने वाली राजधानी एक्सप्रेस शनिवार सुबह रत्नागिरी के पास करबुदे सुरंग में पटरी से उतर गई। हालांकि इस दुर्घटना में किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। ये हादसा शनिवार तड़के 4 बजकर 15 मिनट पर हुआ था। अधिकारी ने बताया दुर्घटना स्थल मुंबई से 325 किमी दूर है।

यह घटना सुबह करीब 4 बजकर 15 मिनट पर हुई जब ट्रेन कोंकण रेलवे मार्ग पर करबुडे सुरंग में उक्षी और

भोके स्टेशनों के बीच थी। इस दुर्घटना में किसी यात्री को चोट लगने की खबर नहीं है। अधिकांश यात्री समय ट्रेन में सो रहे थे। केआरसी के एक अधिकारी ने कहा कि अवरुद्ध तटीय रेल मार्ग की शीघ्र निकासी सुनिश्चित करने के लिए दुर्घटना स्थल के लिए री-रेलिंग उपकरण के साथ दुर्घटना राहत वैन पहुंचा दी गई थी।

मुंबई में कोरोना वायरस नहीं 'नमकीन पानी' का लगा था टीका! अब तक 10 अरेस्ट

- मुंबई और कोलकाता में फर्जी कोरोना वैक्सीनेशन ड्राइव का खुलासा
- मुंबई में लोगों को इस कैंप में सलाइन वॉटर का दिया गया था इंजेक्शन
- 25 मई से 6 जून के बीच मुंबई में लगे थे ऐसे 9 फर्जी टीकाकरण कैंप
- कोलकाता में टीएमसी सांसद मिमी भी फर्जी टीके का हुई थीं शिकार

मुंबई, मुंबई में फर्जी कोविड टीकाकरण का शिकार हुए लोगों को सलाइन वॉटर का इंजेक्शन दिया गया था। जांच में यह हैरान कर देने वाली बात सामने आई है। कई जगहों पर फर्जी कोविड-19 टीकाकरण कैंप चलाने वाले गिरोह की जांच के लिए पुलिस ने एक विशेष जांच दल का गठन किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि इस मामले में अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं कोलकाता में फर्जी वैक्सीनेशन ड्राइव के शिकार लोगों ने स्वास्थ्य संबंधी शिकायतें की हैं।

अधिकारी ने बताया कि पुलिस की जांच में यह भी पता चला है कि इन शिविरों में कोविड-19 टीके के नाम पर 'सलाइन वॉटर' (नमकीन पानी) का इंजेक्शन दिया जा रहा था। उन्होंने कहा कि टीकाकरण शुल्क के नाम पर लोगों से वसूले गए कुल 12.40 लाख रुपये और एक कार बरामद की गई थी। संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) विश्वास नांगरे पाटिल ने कहा, 'शुरुआती जांच में पता चला कि आरोपियों ने सलाइन वॉटर का इंजेक्शन दिया था। कुछ लोगों ने शिकायत की थी कि शिविर में प्रयोग की जाने वाली शीशियों की सील टूटी हुई थी। आरोपियों ने इन शिविरों में लोगों को जिस खतरे में डाला, उसके मद्देनजर कई धाराओं समेत, धारा 308 में मामला दर्ज किया गया है।' पाटिल ने कहा कि मुंबई में 25 मई और छह जून के बीच ऐसे नौ शिविर लगाए गए थे। इसके संबंध में विभिन्न पुलिस थानों में सात मामले दर्ज किए गए हैं। कोलकाता में भी टीका लगाने वाले चिंता में कोलकाता के कस्बा इलाके में दस दिन चले फर्जी वैक्सीनेशन कैंप में टीका लगाने वाले लोग अब टेंशन में हैं। सिक्योरिटी गार्ड कौशिक दास को टीका लगने के दस दिन बाद भी बांह में दर्द है, वहीं गृहिणी मौसमी पाल को बराबर सिरदर्द हो रहा है। यह कैंप देबंजन देब ने लगाया था जिसे पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। इसी कैंप में टीएमसी सांसद और बंगाली ऐक्ट्रेस मिमी चक्रवर्ती ने भी टीका लगवाया था। आरोपी देबंजन ने लोगों को स्पूतनिक की डोज लगाने की बात कही थी। हालांकि यह फ्रॉड सामने आने के बाद अब लोग इस चिंता में हैं कि उन्हें आखिर लगाया क्या गया था। पुलिस का कहना है कि देबंजन मानसिक रूप से अस्थिर लगता है। फर्जी वैक्सीन केस के लिए SIT बनी

फर्जी वैक्सीन केस की जांच के लिए मुंबई पुलिस ने डीसीपी रैंक के अधिकारी विशाल ठाकुर के नेतृत्व में एक एसआईटी बनाई है। इस केस में शुक्रवार को चारकोप के एक अस्पताल के दो लोगों को भी गिरफ्तार किया गया। बीएमसी ने भी अब सोसायटियों में टीकाकरण करने से पहले प्राइवेट वैक्सीनेशन सेंटर को वॉर्ड के मेडिकल अफसरों को जानकारी देना अनिवार्य किया है। जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपियों ने एक प्राइवेट अस्पताल से वैक्सीन की 38 शीशियां खरीदीं। गिरोह के कुछ लोगों ने काफी खाली शीशियां एक दवा कंपनी के जरिए भी मैनेज कीं। वैक्सीन की खाली शीशियों में डिस्टिल वॉटर भरकर फर्जी टीका लगाया गया। यह टीका लगाने वालों को कोई साइड इफेक्ट नहीं हुआ।

गर्म पानी पीने के फायदे तो कई बार सुने होंगे! अब नुकसान भी जान लें

मनोज जोशी

वेट लॉस या खुद को फिट रखने के लिए रोजाना गर्म पानी भी पी रहे हैं। गर्मियों में गर्म पानी पीना काफी देर तक आपकी प्यास नहीं बुझा सकता लेकिन फिर भी माना जा रहा है कि आपके गले को साफ रखने के लिए यह कारगर है। सुबह एक गिलास गुनगुना पानी आपकी सेहत के लिए अच्छा है

लेकिन बार-बार गर्म पानी पीने के कई नुकसान भी हैं।

किडनी पर पड़ता है असर

हमारी किडनियों में खास कैपिलरी सिस्टम होता है, जो अतिरिक्त पानी और टॉक्सिन्स को शरीर के बाहर निकलने में मदद करता है। रिसर्च बताती है कि गर्म पानी से आपकी किडनियों पर सामान्य की अपेक्षा ज्यादा जोर पड़ता है, इसके कारण किडनी को सामान्य से फंक्शन करने में समस्या आती है।

अनिद्रा की समस्या

रात में सोते समय गर्म पानी पीने से आपको नींद की समस्या हो सकती है। रात में गर्म पानी पीने से आपको पेशाब भी अधिक आता है और आपकी रक्त वाहिनी कोशिकाओं पर भी दबाव बढ़ जाता है। सोते समय गर्म पानी का सेवन न करें।

शरीर के आंतरिक अंगों को नुकसान

गर्म पानी का तापमान शरीर के अंदरूनी अंगों को प्रभावित करता है।

वहीं लगातार गर्म पानी पीने से शरीर के अंदर के अंगों का जलने का खतरा होता है। शरीर के अंदरूनी अंगों के टिशूज बेहद संवेदनशील होते हैं। ऐसे में अगर आप बहुत जल्दी-जल्दी गर्म पानी पीते हैं, तो इससे आपके अंदरूनी अंगों में छाले पड़ सकते हैं।

ब्लड की मात्रा पर प्रभाव

ज्यादा गर्म पानी पीना ब्लड की मात्रा के लिए भी खतरनाक हो सकता है। आवश्यक मात्रा से अधिक गर्म पानी का सेवन करने से आपके रक्त की कुल मात्रा बढ़ जाती है। ब्लड का संचलन एक बंद प्रणाली है और यदि यह अनावश्यक दबाव प्राप्त करता है, तो हाई ब्लड प्रेशर और कई अन्य कार्डियो समस्याएं हो सकती है।

नसों में सूजन

कई लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें बिना प्यास के गर्म पानी पीने से दिमाग की नसों में सूजन आ सकती है। इसलिए जब प्यास लगे तब ही गर्म पानी पिएं।

बार-बार गर्म पानी पीने से सिर दर्द भी बढ़ता है।

मिट्टी के बर्तन में खाना बनाने से सेहत को मिलते हैं ये लाभ, जानें कैसे करें इस्तेमाल

संजय शर्मा

पुराने समय में लोग खाना पकाने और परोसने के लिए मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल करते थे। लेकिन समय बदलने के साथ यह परंपरा भी कहीं खो सी गई है। रसोई में रखे मिट्टी के बर्तनों की जगह आज स्टील और एल्युमीनियम के बर्तनों ने ले ली है। लेकिन क्या आप जानते हैं मिट्टी के बर्तनों में पकाया और खाया जाने वाला भोजन सेहत के लिहाज से बेहद अच्छा होता है। आइए जानते हैं क्या हैं मिट्टी के बर्तन में खाना पकाने के फायदे और उन्हें इस्तेमाल और धोने की सही तरीका।

मिट्टी के बर्तन में खाना पकाने के फायदे-

-मिट्टी के बर्तन में खाना बनाने से खाने में आयरन, फास्फोरस, कैल्शियम और मैग्नीशियम की मात्रा भी खूब पाई जाती है, जो शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं।

-मिट्टी के बर्तनों में होने वाले छोटे छोटे छिद्र आग और नमी को बराबर सर्कुलेट करते हैं। इससे खाने के पोषक तत्व सुरक्षित रहते हैं।

-मिट्टी के बने बर्तनों में कम तेल का इस्तेमाल होता है।

-मिट्टी के बने बर्तनों में खाना स्वादिष्ट बनता है। इन बर्तनों में भोजन पकाने से पौष्टकता के साथ-साथ भोजन का स्वाद भी बढ़ जाता है।

-अपच और गैस की समस्या दूर होती है।

-कब्ज की समस्या से मिलती है निजात।

-भोजन में मौजूद पोषक तत्व नष्ट नहीं होते हैं।

-भोजन का पीएच वैल्यू मेंटेन रहता है, इससे कई बीमारियों से बचाव होता है।

कैसे करें मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल-

सबसे पहले मिट्टी का बर्तन बाजार से घर खरीदकर लाने के बाद उस पर खाने वाला तेल जैसे सरसों का तेल, रिफाइंड आदि लगाकर बर्तन में तीन चौथाई पानी भरकर रख दें। इसके बाद बर्तन को धीमी आंच पर रखकर ढककर रख दें। 2-3 घंटे पकने के बाद इसे उतार लें और ठंडा होने दें। इससे मिट्टी का बर्तन सख्त और मजबूत हो जाएगा। साथ ही इससे बर्तन में कोई रिसाव भी नहीं होगा और मिट्टी की गंध भी चली जाएगी।

बर्तन में खाना बनाने से पहले उसे पानी में डुबोकर 15-20 मिनट के लिए रख दें। उसके बाद गीले बर्तन को सुखाकर उसमें भोजन पकाएं।

साफ करना भी बेहद आसान-

मिट्टी के बर्तन कैसे धोने हैं, इस बात की जानकारी न होने की वजह से कई बार लोग इन्हें खरीदने से भी परहेज करते हैं।मिट्टी के बर्तनों को धोना बहुत ही आसान है। इसके लिए आपको किसी केमिकल युक्त साबुन या लिक्विड की जरूत नहीं होती।

आप इन बर्तनों को सिर्फ गर्म पानी की मदद से भी साफ कर सकते हैं। चिकनाई वाले बर्तनों को साफ करने के लिए आप पानी में नींबू निचोड़ कर भी डाल सकते हैं। अगर आप बर्तनों को रगड़कर साफ करना चाहते हैं तो इसके लिए नारियल की बाहरी छाल का इस्तेमाल कर लें।

नॉर्मल डिलीवरी या सी-सेक्शन! बच्चे को जन्म देने के लिए मां की पसंद का क्या है महत्व?

पहली बार मां बनने जा रहीं मेलानी ने ओंटारियो में अपने प्रसूति-स्त्रीरोग विशेषज्ञ (ओबी-गाइने) से जब संपर्क कर सीजेरियन तरीके से बच्चे को जन्म देने का आग्रह किया तो उन्हें उसका जवाब परेशान करने वाला लगा। मेलानी ने कहा, "मुझे बताया गया कि मैं अपनी बेटी को इस दुनिया में कैसे लाना चाहती हूं, यह चुनने का मुझे अधिकार नहीं हैं और कोई भी ओबी-गाइने मेरे अनुरोध को स्वीकार नहीं करेगा। मुझे यह जिद छोड़नी होगी और प्राकृतिक तरीके से ही जन्म देना होगा। उसने मुझसे यह भी कहा कि वह उन चिकित्सकों से सहमत नहीं हैं जो इन अनुरोधों को स्वीकार कर लेते हैं।" चिंतित और तनावग्रस्त मेलानी ने मदद के लिए सोशल मीडिया ग्रुप का रुख किया। इस बीच, उसी प्रांत में 50 किलोमीटर दूर, जेसिका ने भी अपने डॉक्टर से यही आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उनके शरीर के साथ क्या होना चाहिए, इसका फैसला कोई और करेगा, यह विचार बहुत परेशान करने वाला है। जेसिका ने कहा, "शुक्र है कि मेरी किस्मत अच्छी रहे और मुझे सहयोग करने वाली गाइनेकोलॉजिस्ट मिली। उन्होंने कहा, "मैंने सीजेरियन प्रणाली से जन्म देने के कारणों को शांति से बताया और उन्होंने मुझे सुना और तुरंत तैयार हो गई।" मातृत्व देखभाल में परिवर्तनशीलता 2018 में, सोसाइटी ऑफ ऑब्स्ट्रेटिशियन एंड गाइनेकोलॉजिस्ट्स ऑफ कनाडा (एसओजीसी) ने सीजेरियन जन्म के लिए मातृत्व अनुरोधों पर दिशा-निर्देश प्रकाशित किए। इसमें चिकित्सकों को अनुरोध के कारणों का पता लगाने की तथा संभावित जोखिमों और फायदों पर चर्चा करने की सलाह दी गई। सीजेरियन जन्म अनुरोध से असहमत चिकित्सकों की जिम्मेदारी होती है कि वे महिला को दूसरी राय लेने के लिए रेफर करें या उसका मामला किसी अन्य चिकित्सक को भेज दें।लेकिन हकीकत यह है कि कई महिलाओं को सीधे ना कह दिया जाता है। इन बातों के कारण मातृत्व देखभाल अनुभवों में इतने अंतरों का पता लगाने की कोशिश की गई। शुरुआती परिणामों में सीज़ेरियन जन्म अनुरोध प्राप्त होने के समय डॉक्टरों को किन बातों का पालन करना है इसके लिए स्पष्ट, सुसंगत प्रक्रियाओं की आवश्यकता पर प्रकाश डालने की जरूरत है। अनुसंधानों और मरीजों की सूचना की समीक्षा दिखाती है कि मरीज की स्वायत्ता का सैद्धांतिक रूप से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, क्लिनिकल व्यवहार में, सीजेरियन जन्म के लिए अनुरोध अस्पतालों की समझ एवं इससे संबंधित दिशा-निर्देशों को लागू करने से संबंधित है। मरीजों से संबंधित वेबसाइटों पर उपलब्ध सूचना के मुताबिक, "विशेषज्ञों का मानना है कि सी-सेक्शन केवल चिकित्सीय कारणों से किया जाना चाहिए" जो एसओजीसी के दिशा-निर्देशों के विपरीत है। यूनिवर्सिटी ऑफ ओटावा के अनुसंधानकर्ताओं द्वारा हाल में किया गया अध्ययन दर्शाता है कि नियोजित सीजेरियन जन्म सुरक्षित हैं और नियोजित प्राकृतिक तरीके से होने वाले जन्मों की तुलना में इनमें कुछ बहुत कम समय वाली जटिलताएं देखी जाती हैं जिनमें फोरसेप से डिलिवरी और आपातकालीन सर्जरी शामिल है।

पीरियड्स में हैवी ब्लीडिंग और कमजोरी दूर करने के लिए डाइट में शामिल करें ये चीजें, नहीं होगी आयरन की कमी

महीने के वो दिन हर महिला के लिए एक जैसे नहीं होते हैं। बावजूद इसके ज्यादातर महिलाएं इन दिनों पेट में तेज दर्द, कमजोरी, बदन दर्द,सिरदर्द, नींद न आना या फिर बहुत ज्यादा ब्लीडिंग की वजह से एनीमिया होने की शिकायत करती हैं। पीरियड्स के दौरान सामान्य से बहुत ज्यादा ब्लीडिंग होने को मेडिकल सांइस में Menorrhagia कहते हैं, जिसमें एबनॉर्मल ब्लीडिंग होने के साथ ही पीरियड्स साइकल 7 दिन का हो जाता है। इस दौरान कई बार महिलाओं को पैड या टैंपून 2 घंटे में ही बदलना पड़ता है। अगर आपके साथ भी यही परेशानी है तो आपको बताते हैं पीरियड्स में हैवी ब्लीडिंग और कमजोरी को दूर करने के लिए आपको डाइट में कौन सी चीजें शामिल करनी चाहिए।

बॉडी को रखें हाइड्रेटेड -

अगर आपको पीरियड्स के दौरान हैवी ब्लीडिंग होती है, तो हो सकता है आपका ब्लड वॉल्यूम कम हो। ऐसे में आपको अपनी बॉडी को हाइड्रेट रखने की कोशिश करनी चाहिए। हैवी ब्लीडिंग की वजह से महिलाओं को कमजोरी या चक्कर आना आम समस्या है। ऐसे में बॉडी को हाइड्रेशन रखकर आप चक्कर आने की दिक्कत को कम कर सकते हैं।

विटामिन-सी-

विटामिन-सी शरीर के आयरन लेवल को मेंटेन रखने में मदद करता है, जिससे आपको एनिमिया होने का खतरा कम हो जाता है। ऐसे में आप अपनी डाइट में सीट्रस फल जैसे नारंगी, अंगूर आदि शामिल कर सकती हैं।

विटामिन-ई-

पीरियड्स में होने वाले दर्द और हैवी ब्लीडिंग को कम करने में विटामिन-ई अहम भूनिका निभाता है। पीरियड्स शुरू होने के ठीक दो दिन पहले से ही विटामिन-ई लेना शुरु कर दें और पीरियड्स के तीसरे दिन तक ही लें।

शरीर में विटामिन-ई की कमी पूरी करने के लिए कोई सप्लीमेंट लेने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें। इसके अलावा आप अपने खाने में पपीता, कीवी और बादाम आदि शामिल कर सकती हैं।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : आपके लिए यह सप्ताह भौतिक सुख-सुविधाओं की प्राप्ति वाला रहेगा। पुराने स्रोत से अचानक धन प्राप्ति हो सकती है, जिससे आपके बहुत से अटके हुए काम पूर्ण हो जाएंगे। इस सप्ताह आपको पारिवारिक सदस्यों की जरूरतों पर खास ध्यान देना होगा। संतान पक्ष के कार्य उत्तम तरीके से होंगे। दांपत्य के लिए समय अच्छा रहेगा।

वृषभ : यदि आप काफी दिनों से परेशान चल रहे थे तो इस सप्ताह काफी सुधार देखने को मिलेगा। आपके द्वारा लिए गए निर्णय सभी मानने को बाध्य होंगे, चाहे वे पारिवारिक हों या समाज के। अविवाहितों के विवाह की बात बनने वाली है। अटके हुए कार्यों को गति देने के प्रयास करें, सफल होंगे। नए कार्य व्यवसाय भी प्रारंभ करने के लिए समय ठीक है।

मिथुन : इस सप्ताह अपने काम और परिवार के बीच तालमेल बनाकर चलना होगा। स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें। युवाओं को अपने प्रेम में पारदर्शिता रखनी होगी। अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए दूसरों का सहयोग लेना पड़ेगा। ध्यान रहे बड़े कर्ज लेने से बचें और आर्थिक मामलों में भरोसेमंद लोगों या परिवार के अनुभवी लोगों की सलाह जरूर लें।

कर्क : आपका अधिकांश सप्ताह पारिवारिक और सामाजिक मेलजोल में बीतने वाला है। घर में नए मेहमान आएंगे। नया बिजनेस प्रारंभ करने के लिए वक्त बेहतर है। पुराने कार्यों में विस्तार देने पर काम करें। नौकरी में बदलाव करना चाहते हैं तो अवश्य करें। आर्थिक संपन्नता बढ़ेगी। निवेश के लिए भी सप्ताह शुभ है।

सिंह : सप्ताह थोड़ा अप-डाउन वाला रह सकता है। थकान और मन में चिड़चिड़ाहट रहेगी। परिवार में किसी से व्यर्थ विवाद हो सकता है। शारीरिक रूप से भी थोड़ा नरम-गरम रह सकते हैं। विद्यार्थियों को पूरा फोकस पढ़ाई पर रखना होगा। इस राशि के नौकरीपेशा लोगों को तरक्की करने के कई अवसर मिलेंगे, बस आपको सही अवसर को पहचानना है।

कन्या : महिलाओं की धार्मिक-आध्यात्मिक प्रवृत्ति जागृत होगी। खुद की सेहत के लिए कुछ वक्त निकालें। योग-ध्यान से मन की शांति मिलेगी। अविवाहितों को विवाह का प्रस्ताव आएगा। अपनी जिम्मेदारियों को ठीक ढंग से निभाना होगा। कार्य स्थल पर लापरवाही भारी पड़ सकती है। आर्थिक मसलों पर सोच-समझकर हाथ डालें।

तुला : इस सप्ताह यदि आप कोई नया कार्य-व्यवसाय प्रारंभ करना चाहते हैं तो सावधान रहें, उसकी कार्ययोजना सार्वजनिक ना करें। हालांकिधन संबंधी मामलों के लिए सप्ताह ठीक रहेगा। पुराने निवेश से लाभ होगा। किसी को पैसा उधार देने से बचें। भाई-बहनों की जरूरतों पर आपको भी खर्च करना पड़ेगा।

वृश्चिक : भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि के योग बन रहे हैं। पारिवारिक जीवन में सभी से सामंजस्य और तालमेल बना रहेगा। पैतृक संपत्ति को लेकर चल रहे विवाद का निराकरण भी इस सप्ताह होता दिख रहा है। दूसरों की मदद करने के लिए आप तत्पर रहेंगे। इस राशि की महिलाओं को इस सप्ताह कोई उपहार मिल सकता है।

धनु : सप्ताह भागदौड़ भरा रहेगा। इसमें खुद के लिए वक्त निकालना चुनौतीपूर्ण रहेगा। अत्यधिक काम का विपरीत असर स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। लंबे समय से जो काम अटके हुए हैं वे इस सप्ताह पूरे हो जाने से दिमाग का बोझ हल्का हो जाएगा। सप्ताह आर्थिक लाभ देने वाला है। किसी विशेष कार्य से पैसा कमाने का अवसर आएगा।

मकर : बहुत दिनों से किसी काम के होने का रास्ता देख रहे थे वह होने वाला है। पैसों की भरपूर आवक होगी लेकिन ध्यान रखें खर्च सोच समझकर करें। व्यर्थ के कार्यों पर पैसा और समय नष्ट न करें। पारिवारिक मेलजोल बढ़ेगा। किसी काम को करने की जल्दबाजी न करें। माता-पिता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।

कुंभ : इस सप्ताह मन की कमजोरी दूर होगी और आप ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। पुराने रोगों से मुक्ति मिलेगी। सप्ताह के अंत में कार्य की अधिकता रहने से डाउन फील करेंगे। पारिवारिक और सामाजिक जीवन में पद-प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की मिलेगी। नए कार्य व्यवसाय की शुरुआत के लिए समय ठीक है।

मीन : आर्थिक, शारीरिक, मानसिक और पारिवारिक स्थिति के लिए सप्ताह शुभ है। पद-प्रतिष्ठा और मान-सम्मान में वृद्धि होगी। प्रेम और दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। जीवनसाथी से चल रहा मनमुटाव दूर होगा। संतान और परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर जाएंगे। अविवाहितों को विवाह का प्रस्ताव प्राप्त होगा।

चुटकुले

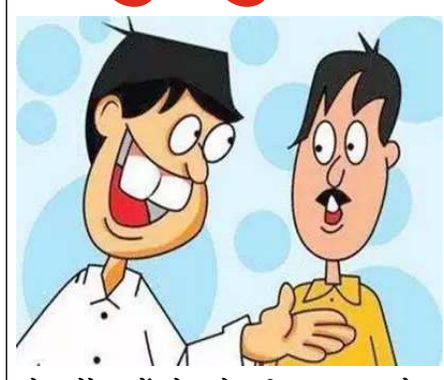

सोनू - मेरे घर में हमेशा मेरा ही हुक्म चलता है
मोनू - वो कैसे?
सोनू - अगर मैं कहूं कि गर्म पानी लाओ तो तेरी भाभी गर्म पानी ले आती है और अगर कहूं कि ठंडा लाओ तो तुरंत ठंडा लाती है।
मोनू - बहुत अच्छा... फिर क्या होता है?
सोनू - होना क्या है, मैं घर के सारे गंदे कपड़े धो देता हूं

साली - जीजा जी आप मुझे कितना प्यार करते हो?
जीजा - 72 फीसदी मेरी जान...
साली - 100 फीसदी क्यों नहीं करते हो?
जीजा - पगली... लग्जरी चीजों पर 28 फीसदी जीएसटी भी तो लगता है ना

क्या दिल्ली सरकार की ओर से बढ़ाकर की गई ऑक्सिजन की डिमांड, गुलेरिया बोले- मुझे नहीं लगता

नई दिल्ली, कोरोना की दूसरी लहर के दौरान क्या दिल्ली सरकार ने जरूरत से चार गुना ऑक्सिजन की डिमांड की। सुप्रीम कोर्ट की ऑक्सिजन ऑडिट टीम की रिपोर्ट आने के बाद मचे घमासान के बीच एम्स डायरेक्टर डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कहा कि यह कहना सही नहीं होगा कि दिल्ली ने कोविड की दूसरी लहर के दौरान अपनी ऑक्सिजन जरूरत को चार गुना बढ़ाकर बताया। डॉक्टर गुलेरिया ने कहा कि दिल्ली ऑक्सिजन ऑडिट एक अंतरिम रिपोर्ट है। हमें अंतिम रिपोर्ट का इंतजार करना चाहिए। एक अंग्रेजी न्यूज चैनल की ओर से पूछे गए एक सवाल कि क्या दिल्ली की ओर से चार गुना बढ़ाकर डिमांड पेश की गई। इसके जवाब में उन्होंने कहा 'मुझे नहीं लगता मामला सुप्रीम कोर्ट में है। हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि शीर्ष अदालत इस बारे में क्या कहती है।' वहीं इससे पहले दिल्ली प्रधान गृह सचिव भूपिंदर एस भल्ला ने अंतरिम रिपोर्ट पर आपत्ति जताई है। उन्होंने अपनी टिप्पणियों में कहा है सुप्रीम कोर्ट ने सबकमेटी का गठन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ऑक्सिजन सप्लाई के अवरोध की पहचान व सुगम सप्लाई का रास्ता ढूढ़ने को कहा था। लेकिन सबकमेटी ऑक्सिजन फॉर्मूले की समीक्षा कर रही है जो कि राष्ट्रीय टास्क फोर्स का काम है। इस रिपोर्ट को तैयार करने वाली टीम में एम्स डायरेक्टर डॉ. रणदीप गुलेरिया, दिल्ली सरकार के प्रिंसिपल होम सेक्रेटरी भूपिंदर भल्ला, मैक्स हेल्थ केयर के डायरेक्टर डॉक्टर संदीप बुद्धिराज, केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय के डायरेक्टर सुबोध यादव शामिल थे।

पीएम मोदी संग बैठक के बाद उमर अब्दुल्ला का ऐलान- धारा 370 की बहाली के मिशन से पीछे नहीं हटेंगे

श्रीनगर, राजधानी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में हुई सर्वदलीय बैठक के मुद्दे पर नैशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने अपनी बात रखी है। उमर ने कहा कि बैठक में गुपकार ग्रुप के एजेंडे के बाहर कोई बात नहीं की गई। उन्होंने यह भी कहा कि धारा 370 की बहाली के अपने मिशन से पीछे नहीं हटेंगे। इसके साथ ही पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने भी धारा 370 की बहाली तक चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान कर दिया है। जम्मू कश्मीर के पूर्व सीएम उमर ने कहा, 'हमें वहां अलायंस के तौर पर नहीं बुलाया गया था। अगर बुलाया गया होता तो अलायंस की तरफ से एक को ही बुलाया गया होता। वहां पार्टियों को दावत दी गई। गुपकार अलायंस के सदस्यों ने बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में हमने कोई ऐसी बात नहीं की जो अलायंस के एजेंडा के बाहर हो।' NC नेता ने कहा, 'वहां किसी ने प्रधानमंत्री से नहीं कहा कि हम 5 अगस्त कबूल करते हैं। हमने कहा कि हम इससे नाराज हैं। PM से महबूबा मुफ्ती और फारुख अब्दुल्ला ने साफ कहा कि BJP को 370 हटाने का एजेंडा कामयाब कराने में 70 साल लगे। हमें 70 महीने लगेंगे तो भी हम अपने मिशन से पीछे नहीं हटेंगे।' उमर ने कहा, 'गुलाम नबी आजाद ने हम सबकी तरफ से वहां बात की और कहा कि हम ये टाइमलाइन नहीं मानते हैं। डिलिमिटेशन, चुनाव और राज्य का दर्जा नहीं। पहले डिलिमिटेशन फिर राज्य का दर्जा, फिर चुनाव। चुनाव कराना ही है तो पहले राज्य का दर्जा लौटा दीजिए। उसके बाद हम चुनाव पर बात करेंगे।' महबूबा का ऐलान- दर्जा बहाली तक नहीं लड़ेंगी

चुनाव इससे पहले पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि वह खुद तब तक कोई चुनाव नहीं लड़ेंगी, जब तक कि जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा बहाल नहीं हो जाता। केंद्रीय नेतृत्व को यह सुनिश्चित करने पर ध्यान देना चाहिए कि कश्मीर के लोगों के साथ 'दिल की दूरी' समाप्त हो। महबूबा ने कहा, 'दमन और उत्पीड़न के युग' को समाप्त करना होगा। पीडीपी चीफ ने जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा निरस्त करने के लिए 5 अगस्त, 2019 को पारित किए गए आदेशों को हटाने पर जोर देते हुए कहा, 'मैंने कई बार स्पष्ट किया है कि मैं केंद्र शासित प्रदेश के तहत कोई चुनाव नहीं लड़ूंगी। लेकिन साथ ही मेरी पार्टी इस तथ्य से भी अवगत है कि हम किसी को राजनीतिक स्थान नहीं लेने देंगे। हमने पिछले साल जिला विकास परिषद का चुनाव लड़ा था। इसी तरह अगर विधानसभा चुनाव की घोषणा होती है तो पार्टी बैठकर चर्चा करेगी।'

धरती पर 20000 साल पहले भी कहर बरपा चुका है कोरोना? लोगों के डीएनए में मिले इसके अवशेष

कैनबरा, दुनिया भर में तबाही बचा रहा कोरोना वायरस 20000 साल से भी अधिक समय पहले पूर्वी एशिया में संभवत अपना प्रकोप बरपा चुका है। इस खतरनाक वायरस के अवशेष आधुनिक चीन, जापान और वियतनाम के लोगों के डीएनए में पाए गए हैं। ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी के यासिने सौइल्मी और रे टॉबलर ने बताया कि करंट बायोलॉजी में प्रकाशित हमारे अनुसंधान में इन क्षेत्रों में आधुनिक आबादी के 42 जीन में वायरस के कोरोनावायरस परिवार के आनुवंशिक अनुकूलन के प्रमाण मिले हैं।

कोरोना से दुनियाभर में 38 लाख से ज्यादा की मौत

कोरोना वायरस सार्स-सीओवी-2 के कारण फैली कोविड-19 वैश्विक महामारी ने दुनियाभर मे अब तक 38 लाख से अधिक लोगों की जान ले ली है। इसके कारण पूरी दुनिया में अरबों डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ है। कोरोना वायरस परिवार में संबंधित मार्स और सार्स वायरस के कारण पिछले 20 साल में कई घातक संक्रमण हुए हैं।

अनुवांशिक अवशेषों से भविष्य की महामारियों का पता चलेगा

वैज्ञानिकों ने दावा किया कि हमारे परिणाम दिखाते हैं कि ऐतिहासिक वायरल प्रकोपों के आनुवंशिक अवशेषों का पता लगाने से हमें भविष्य के प्रकोपों का इलाज करने में कैसे मदद मिल सकती है। वैश्विक महामारियां संभवत मानव इतिहास जितनी ही पुरानी हैं। हमने पहले भी वैश्विक महामारियों का सामना किया है।

हर फ्लू ने मचाई है बड़ी तबाही

केवल 20वीं शताब्दी में, इन्फ्लूएंजा वायरस के तीन प्रकारों- 1918-20 का ''स्पैनिश फ्लू', 1957-58 का 'एशियन फ्लू', और 1968-69 का 'हांगकांग फ्लू'-में से हरेक ने व्यापक तबाही मचाते हुए लाखों लोगों की जान ली थी। वायरस और अन्य रोगजनकों के कारण

होने वाले संक्रमण का इतिहास हजारों साल पुराना है। इन वायरस के अनुकूल शरीर के ढलने के बाद कई आनुवांशिक निशान पीछे रह जाते हैं।

बीमारी का अनुकूलन

आनुवांशिक निशान छोड़ सकता है आनुवंशिकीविदों ने पिछले कुछ दशकों में शरीर के अनुकूलन संबंधी घटनाओं के आनुवंशिक निशानों का पता लगाने के लिए प्रभावशाली सांख्यिकीय उपकरण तैयार किए हैं। ये आनुवांशिक अवशेष आज लोगों के जीनोम में मौजूद हैं।

अपनी कॉपी बनाते हैं वायरस

वायरस सरल जीव हैं, जिनका एक उद्देश्य स्वयं की अधिक प्रतियां बनाना होता है। लेकिन, उनकी सरल जैविक संरचना का अर्थ है कि वे स्वतंत्र रूप से प्रजनन नहीं कर सकते। इसके बजाय, उन्हें अन्य जीवों की कोशिकाओं पर आक्रमण करना होता है और उनकी आणविक मशीनरी पर कब्जा करना होता है। वायरस मेजबान कोशिका से पैदा हुए विशिष्ट प्रोटीन के साथ संपर्क करता है और उससे जुड़ता है, जिसे हम वायरल इंटरेक्टिंग प्रोटीन (वीआईपी) कहते हैं।

प्राचीन कोरोना वायरस के निशान

हमने दुनिया भर की 26 देशों के 2,500 से अधिक लोगों के जीनोम में अत्याधुनिक कम्प्यूटेशनल विश्लेषण लागू किए। हमें मनुष्य के 42 अलग-अलग जीन में अनुकूलन के प्रमाण मिले जो वीआईपी के बारे में बताते हैं। ये वीआईपी संकेत केवल पांच स्थानों की आबादी में मौजूद थे और ये सभी स्थान पूर्वी एशिया से थे, कोरोना वायरस परिवार के पूर्व में सामने आए वायरस की उत्पत्ति संभवत इन्हीं स्थानों पर हुई।

हमारे पूर्वज पहले भी कोरोना के संपर्क में आ चुके हैं

वैज्ञानिकों ने बताया कि इसका अर्थ यह है कि आधुनिक पूर्वी एशियाई देशों के पूर्वज करीब 25,000 साल पहले कोरोना वायरस के संपर्क में आ चुके हैं। इसके बाद, और परीक्षण से पता चला कि 42 वीआईपी मुख्य रूप से फेफड़ों में पाए जाते हैं, जो कि कोविड-19 से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। हमने इस बात की भी पुष्टि की है कि ये वीआईपी मौजूदा महामारी के लिए जिम्मेदार सार्स-सीओवी-2 वायरस से सीधे संपर्क करते हैं।

कोरोना के इलाज में भी होगा मददगार

अन्य स्वतंत्र अध्ययनों से यह भी पता चला है कि वीआईपी जीन में उत्परिवर्तन सार्स-सीओवी-2 की संवेदनशीलता और उसके लक्षणों की गंभीरता में हस्तक्षेप कर सकता है। इसके अलावा, कई वीआईपी जीन या तो वर्तमान में कोविड-19 उपचार के लिए दवा के लक्ष्य के रूप में उपयोग किए जा रहे हैं या वे नैदानिक परीक्षणों का हिस्सा हैं।

भारतीय परंपरा को दर्शाने वाला होने वाला होना चाहिए अयोध्या का विकास

पीएम ने कहा कि अयोध्या सांस्कृतिक और प्रभावशाली दोनों ही है। यह हर भारतीय की सांस्कृतिक चेतना को जागृत करने वाला शहर है। यह भारत की परम्पराओं और विकास की यात्रा को प्रदर्शित करने वाला होना चाहिए। यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है कि अयोध्या की सांस्कृति को नवीन तरीकों से बनाए रखें।

अयोध्या, 'अयोध्या हर भारतीय की सांस्कृतिक चेतना को जागृत करने वाला शहर है। यह भारत की परम्पराओं और विकास की यात्रा को प्रदर्शित करने वाला होना चाहिए। यहां की मानवीय प्रकृति को भविष्य की आधारभूत संरचना से मेल खाते हुए होना चाहिए।

यह पर्यटकों और श्रद्धालुओं दोनों के लिए लाभदायक होगा।'

'भगवान राम का दिया उदाहरण'

उन्होंने भगवान राम का जिक्र करते हुए कहा, 'अयोध्या का विकास इस तरह से होना चाहिए कि आने वाली पीढ़ियां जीवन में कम से कम एक बार यहां आने की इच्छा रखें। यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है कि अयोध्या की सांस्कृति को नवीन तरीकों से बनाए रखें। भगवान राम में भी लोगों को एक साथ लाने की क्षमता थी।

उसी तरह से अयोध्या के विकास कार्यों में भी जन भागीदारी होनी चाहिए। विशेष तौर पर युवाओं की प्रतिभा का उपयोग किया जाना चाहिए।'

राम मंदिर निर्माण के साथ भव्य और नव्य अयोध्या के विकास का काम भी शुरू हो गया है। अयोध्या के पौराणिक स्वरूप को निखारने के साथ आधुनिकता और संसाधनों से जोड़ने के लिए योगी सरकार ने 'विजन डॉक्युमेंट' तैयार किया है। पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को इसे परखा। पीएम ने सुबह 11 बजे विजन डॉक्युमेंट का ऑनलाइन प्रजेंटेशन देखा।

प्रजेंटेशन के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ, डेप्युटी सीएम केशव मौर्य और दिनेश शर्मा के साथ ही ऊर्जा, वित्त, नगर विकास, जलशक्ति, नागरिक उड्डयन,

पर्यटन व परिवहन विभाग के मंत्री भी मौजूद रहे। पीएम मोदी के सुझावों, निर्देशों और उनकी हरी झंडी के बाद विजन डॉक्युमेंट को अंतिम रूप दिया गया। अयोध्या के समग्र विकास की कार्ययोजना इसी के आधार पर तैयार की जाएगी।

राफेल लड़ाकू विमान का नया रिकॉर्ड, लगातार 12 घंटे उड़कर 17000 किमी दूर ताहिती एयरबेस पहुंचा

पेरिस, राफेल लड़ाकू विमान ने बिना रूके 12 घंटे तक उड़ान भरकर नया रिकॉर्ड कायम किया है। इस फ्रांसीसी लड़ाकू विमान ने प्रशांत महासागर में स्थित एयरबेस की यात्रा के दौरान 12 घंटे में 17000 किलोमीटर की दूरी तय की। आज से पहले कोई भी राफेल विमान इतनी दूरी तक बिना रूके यात्रा नहीं कर पाया है। इससे पहले फ्रांस से भारत की 6700 किलोमीटर की दूरी राफेल लड़ाकू विमान बिना रूके तय कर चुके हैं। 15 घंटे लड़ाकू विमान उड़ाने वाला यूरोप का पहला देश

फ्रांसीसी वायु सेना के एयर टू एयर रिफ्यूलिंग ऑपरेटर मेजर पियरिक ने बताया कि हम यूरोप के एकमात्र ऐसे देश हैं जो हमारे ठिकानों से 17000 किलोमीटर की दूरी तक ऐसी उड़ान भरने में सक्षम हैं। राफेल विमानों ने यह दूरी कैलिफोर्निया से उड़कर दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित फ्रांसीसी एयरबेस ताहिती तक पहुंचने के दौरान तय की है। इस दौरान राफेल विमान में हवा में ही सात बार ईंधन भरा गया। तीन राफेल विमानों ने भरी रिकॉर्ड उड़ान

फ्रांसीसी मीडिया के अनुसार, ताहिती जाने के लिए तीन राफेल लड़ाकू विमानों सहित फ्रांसीसी वायु सेना के सात विमानों ने फ्रांस से उड़ान भरी थी। पहली बार की उड़ान में वे अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित एयरबेस पर पहुंचे। यहां से दूसरी बार की उड़ान में उन्होंने रिकॉर्ड बनाते हुए ताहिती में सुरक्षित लैंडिंग की। 15 घंटे की इस रिकॉर्ड उड़ान के दौरान राफेल लड़ाकू विमान में सात बार एयर टू एयर

रिफ्यूलिंग की गई। राफेल लड़ाकू विमानों के जरिए फ्रांस इंडो पैसिफिक क्षेत्र में अपना ताकत दिखा रहा है। फ्रांस से बाहर भी इस देश के कई सैन्य ठिकाने रणनीतिक स्थानों पर बने हुए हैं। ये विमान उन जगहों से उड़ान भरकर पूरी दुनिया में निगरानी रखते हैं।

किसान आंदोलन के लिए क्यों महत्वपूर्ण है 26 तारीख? आगे क्या प्लान कर रहे हैं किसान? पूरी रिपोर्ट

गाजियाबाद, केंद्र सरकार के कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसान अपने लिए 26 तारीख को काफी महत्वपूर्ण मान रहे हैं। इसी वजह से शनिवार को किसान आंदोलन को तेज करने का फैसला किया गया है। इसके तहत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर और मुजफ्फरनगर इलाके से करीब 400 से भी अधिक ट्रैक्टर शनिवार सुबह तक गाजीपुर बॉर्डर पर पहुंचे थे। किसानों के पहुंचने का यह सिलसिला अभी जारी है। इसके अलावा, किसान नेताओं के आह्वान पर जगह-जगह राज्यपाल को अपनी मांग पूरी किए जाने के लिए एक ज्ञापन दिया जा रहा है। भारतीय किसान यूनियन के नेता बिजेंद्र सिंह यादव ने बताया कि किसान 26 तारीख को तीन कारणों महत्वपूर्ण मान रहे हैं। पहला यह कि 26 जून 1975 (25 जून की अर्द्धरात्रि) को देश में इंदिरा गांधी ने आपातकाल घोषित किया था। दूसरा यह कि अब भी जब सरकार ने किसानों पर तीन काले कानून थोपते हुए अघोषित आपातकाल सा ही लगा दिया है, तो सरकार को इसकी याद दिलाने और अपनी मांगों के लिए किसानों ने 26 नवम्बर को ही आंदोलन की शुरुआत की थी। अब आंदोलन को 7 महीने हो चुके हैं और किसानों की बात पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। तीसरा यह कि 26 जनवरी को सरकार ने किसानों के आंदोलन को बदनाम करने के लिए अफवाह फैलाई थी, इसलिए 26 तारीख को ही सरकार को याद दिलाने के लिए बड़ी संख्या में किसान इकट्ठा हो रहे हैं। इतना ही नहीं, हर जगह प्रदेश कमिटी किसानों की मांगों को लेकर ज्ञापन भी देगी।

यूपी के 120 कॉलेजों को 1080 टैबलेट बांटेगी योगी आदित्यनाथ सरकार, 1.68 करोड़ का बजट पास

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में स्थित राजकीय महाविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। इसके चलते अब आगामी विधानसभा चुनाव से पहले राजकीय महाविद्यालयों को डिजिटल इंडिया के तहत प्रीलोडेड टैबलेट दिए जाएंगे। इस सुविधा के बाद महाविद्यालयों पर पढ़ने वाले विद्यार्थियों की शिक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकेगा।प्रदेश सरकार की ओर से राज्य के ग्रामीण इलाकों में बसे 120 राजकीय महाविद्यालयों को 1080 प्रीलोडेड टैबलेट वितरित किए जाएंगे। ये सभी प्रीलोडेड टैबलेट महाविद्यालयों के पुस्तकालय में रखे जाएंगे, जहां पहुंचकर विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल सकेगा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने इसके लिए 1 करोड़ 68 लाख 75 हजार का बजट पास कर दिया है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल में राजकीय महाविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 1 करोड़ 68 लाख 75 हजार का बजट पास कर दिया।

SPORTS खेल जगत

शैफाली वर्मा वनडे में डेब्यू को तैयार, महिला टीम की नजरें लिमिटेड ओवर की सीरीज में वापसी पर

भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस समय इंग्लैंड दौरे पर है, जहां टीम हाल ही में मेजबान टीम के साथ एकमात्र टेस्ट मैच खेली है। सात साल बाद अपना पहला टेस्ट मैच खेलने उतरी भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टेस्ट मैच ड्रॉ करा दिया और अब टीम की नजरें अपने उसी प्रदर्शन को लिमिटेड ओवर की सीरीज में भी दोहराने पर है। भारतीय महिला टीम रविवार से यहां शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच से ही मजबूत विश्व चैम्पियन इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करना चाहेगी, जिसमें युवा खिलाड़ी शैफाली वर्मा वनडे में डेब्यू करने को तैयार हैं। शैफाली ने अभी तक 22 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं और इस 17 साल की बल्लेबाज ने अपने प्रदर्शन से विश्व क्रिकेट को अपनी ओर आकर्षित किया है। लेकिन शैफाली को दक्षिण अफ्रीकी महिला टीम के खिलाफ पिछली घरेलू सीरीज के लिये नहीं चुना गया था जिसमें भारत को बुरी हार झेलनी पड़ी थी। टीम इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन से उस पिछली सीरीज की भरपायी करना चाहेगी। भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका से 1-4 से हार गयी थी और उस सीरीज में शैफाली को बाहर करने को लेकर काफी बबाल हुआ था। हालांकि अब टीम प्रबंधन इस तरह कोई गलती नहीं करेगा। शैफाली ने पिछले हफ्ते इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में 96 और 63 रन की पारी खेली थी। भारतीय टीम के लिये उसकी विस्फोटकीय बल्लेबाजी निश्चित रूप से काफी महत्वपूर्ण है। उपकप्तान हरमनप्रीत कौर को छोड़कर टीम में कोई प्रभावशाली खिलाड़ी मौजूद नही हैं और वह भी अपनी बेस्ट फार्म में नहीं है। डिफेंस प्लेयर्स पूनम राउत, टॉप ऑर्डर में कप्तान मिताली राज के साथ शेफाली अगर फार्म में हो तो बल्लेबाजी में काफी अंतर पैदा कर सकती है। शैफाली ने आन्या श्रबसोल, कैथरीन ब्रंट, केट क्रास, नैट स्किवर और सोफी एक्लेस्टोन को जिस तरह से खेला था, उससे निश्चित रूप से घरेलू टीम का कोचिंग स्टाफ इस हरियाणवी तूफान को रोकने की योजना बना रहा होगा। अगर स्मृति मंधाना और शैफाली पारी का आगाज करती हैं तो इंद्राणी को अपने मौके का इंतजार करना होगा क्योंकि अपने अच्छे प्रदर्शन और थोड़े बेहतर स्ट्राइक रेट के बाद पूनम राउत तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करना चाहेगी जिनके बाद कप्तान और उप कप्तान चौथे-पांचवें नंबर पर उतरेंगी। आल राउंडर दीप्ति शर्मा का छठा स्थान निश्चित ही है और तानिया भाटिया और इंद्राणी के बीच अगर फैसला होगा तो इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में अपने प्रदर्शन की बदौलत तानिया दावेदार होंगी। चार गेंदबाजों में किफायती झूलन गोस्वामी का चुना जाना तय है और शिखा पांडे, पूजा वस्त्राकर और अरूधंती रेड्डी में से दो को चुना जायेगा।

माइकल वॉन ने बताया, इंग्लैंड के लिए भारत को हराना क्यों है मुश्किल

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने आगामी भारत इंग्लैंड सीरीज को लेकर अपनी राय व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड को भारत को हराने में कठिनाई आ सकती है। उन्होंने कहा कि कुछ जगहों पर मेजबान इंग्लैंड को काम करने की जरूरत है।

भारत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में न्यूजीलैंड से हार गया। लेकिन इससे पहले इंग्लैंड को भी न्यूजीलैंड के हाथों मात मिली थी। वॉन को लगता है कि इंग्लैड की कमजोर बैटिंग लाइन के साथ साथ कुछ और मुद्दे हैं, जो डब्ल्यूटीसी उपविजेता के साथ मुकाबले को मेजबान इंग्लैंड के लिए कठिन बना देंगे। 'रोड टू द एशेज' पॉडकास्ट में माइकल वॉन ने कहा कि आप न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में जानते हैं कि लॉर्ड्स में कोई स्पिनर नहीं खेला, बिल्कुल ठीक इसी तरह एजबेस्टन में कोई स्पिनर नहीं खेला और आपकी बैटिंग लाइन-अप बहुत कमजोर है। भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ की अगुवाई में भारत ने साल 2007 में आखिरी बार इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीती थी। 2011, 2021 और 2018 में मिली हार के बाद भारत के पास इंग्लैंड में सीरीज जीतने का अच्छा मौका है। वहीं इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने हाल में कहा कि भारत इंग्लैंड को टेस्ट सीरीज में 5-0 से हराएगी। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड की बल्लेबाजी उतनी मजबूत नहीं है, जितनी पहले हुआ करती थी। वॉन ने कहा कि भले ही बेन स्टोक्स और बटलर की वापसी हुई है लेकिन जैसी भारतीय गेंदबाजी है उससे इंग्लैंड की बल्लेबाजी क्रम में गहराई की कमी दिख सकती है। इंग्लैंज की जोफ्रा आर्चर के बिना इस सीरीज में खेलने री संभावना है क्योंकि तेज गेंदबाद को कोहनी की सर्जरी के बाद ठीक होने के लिए आराम करना पड़ेगा। वॉन ने आगे कहा कि बटलर, स्टोक्स और वोक्स वापस आ गए हैं और हां वो टीम में सुधार करेंगे लेकि जब तक बल्लेबाजी लाइन अप में बदलाव नहीं आता है और वो अच्छी गेंदबाजी के खिलाफ बड़े स्कोर बनाना नहीं सीखती है, मैं ये नहीं कह सकता कि वो कैसे मुकाबला करेगी। इंग्लैंड के लिए भारत को हराना कठिन होगा।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में विराट कोहली ने दोहराई 2014 इंग्लैंड दौरे वाली गलती, वीडियो देख समझे कहां हुई चूक

आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के हाथों 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। कप्तान कोहली फाइनल टेस्ट की दोनों ही पारियों में काइल जेमीसन का शिकार बने और बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। कोहली पहली पारी में 44 और दूसरी में सिर्फ 13 रन बना सके। डब्ल्यूटीसी फाइनल में अगर विराट के आउट होने के तरीके पर गौर किया जाए तो वह साल 2014 इंग्लैंड दौरे पर की गई गलतियों को ही दोहराते हुए दिखाई दिए। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर नासिर हुसैन ने अपने ट्विटर पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें कोहली फाइनल में वही गलती रिपीट करते हुए नजर आए, जो उन्होंने 2014 दौरे पर की थी।

वीडियो में विराट कोहली नासिर हुसैन को बताते हुए नजर आ रहे हैं कि उन्होंने 2014 की तुलना में 2018 में अपनी तकनीक में क्या बदलाव किया, जिससे वह इतने रन बनाने में सफल रहे। विराट ने वीडियो में बताया कि वह साल 2014 में अंदर आती हुई गेंदों की ज्यादा उम्मीद कर रहे थे, जिसकी वजह से उनका हिप जरूरत से ज्यादा खुल जा रहा था। वह यह मान रहे थे कि गेंद इंनस्विंगर होगी और इसकी वजह से वह आउटस्विंगर को खेलने में नाकाम रहे थे।

इस कीवी खिलाड़ी से काफी प्रभावित हुए सचिन तेंदुलकर, कहा- क्रिकेट वर्ल्ड के शानदार ऑलराउंडर्स में से एक बनेगा

न्यूजीलैंड के उभरते हुए तेज गेंदबाज काइल जैमिसन ने भारत के खिलाफ खेले गए आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में अपने प्रदर्शन से सबको चौंका दिया। जैमिसन के इस प्रदर्शन से भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भी काफी प्रभावित हुए है। तेंदुलकर ने जैमिसन को लेकर कहा है कि कीवी टीम का यह युवा खिलाड़ी वर्ल्ड क्रिकेट के शानदार ऑलराउंडर्स में से एक बनेंगे।

पूर्व भारतीय कप्तान तेंदुलकर ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'जैमिसन एक शानदार गेंदबाज और न्यूजीलैंड टीम के एक उपयोगी ऑलराउंडर हैं। वह वर्ल्ड क्रिकेट के शानदार ऑलराउंडरों में से एक बनने जा रहे हैं। जब मैंने उन्हें पिछले साल न्यूजीलैंड में देखा था, तो उन्होंने मुझे बल्ले और गेंद दोनों से काफी प्रभावित किया था।' 26 वर्षीय जैमिसन ने 2020 की शुरुआत के बाद से अब तक केवल आठ ही टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने पांच बार पांच या उससे ज्यादा विकेट हासिल किए हैं। कीवी गेंदबाज ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहली पारी में 31 रन पर पांच विकेट और दूसरी पारी में 30 रन पर दो विकेट चटकाए। उनके इस शानदार प्रदर्शन के बदौलत उन्हें मैन आफ द मैच का पुरस्कार मिला। जैमिसन के भविष्य पर बात करते हुए, तेंदुलकर ने आगे बताया कि न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर के अंदर ऐसा क्या खास है, जोकि बाकी गेंदबाजों से अलग है।

उन्होंने कहा, ' वह साउदी, बौल्ट, वैगनर और डी ग्रैंडहोम से अलग गेंदबाज हैं। जैमिसन की खासियत ये है कि वह अपनी हाईट का शानदार तरीके से प्रयोग करते हैं और पिच से बाउंस और सीम मोमेंट प्राप्त करते हैं, जबकि बाकी अन्य गेंदबाज स्लिप की ओर गेंद को स्विंग करने की कोशिश करते हैं।'

देश परदेश

पाकिस्तान पर तलवार लटकाए रखना चाहती हैं कुछ ताकतें, FATF के फंदे से गर्दन नहीं निकलने पर बोले विदेश मंत्री कुरैशी

मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था फाइनैंशल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ओर से पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में बरकरार रखा गया है। एफएटीएफ चीफ ने शनिवार को इस फैसले की घोषणा करते हुए साफ कहा था कि हाफिद सईद और मसूद अजहर जैसे आतंकवादियों को पालने की वजह से पाकिस्तान को एक बार फिर सख्त निगरानी में रखने का फैसला किया गया है। बार-बार मुंह पर कालिख पोते जाने के बावजूद बेशर्मी से अपनी करतूत पर पर्दा डालने की नाकाम कोशिश करते हुए विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को इसमें 'विदेशी ताकतों' का हाथ नजर आ रहा है। माना जा रहा है कि उनका इशारा भारत जैसे देशों पर है, जिन्होंने आतंकवाद पर नकेल कसने के लिए पाकिस्तान पर वैश्विक दबाव बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। रेडियो पाकिस्तान की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कुरैशी ने कहा कि पाकिस्तान ने लगभग पूरे एक्शन प्लान को लागू कर दिया था और अब इसे ग्रे लिस्ट में रखने की जगह नहीं थी। एफएटीएफ की ओर से बताई गई वजह से नजरें चुराते हुए कुरैशी ने कहा कि यह देखने की जरूरत है कि क्या एफएटीएफ का राजनीतिक उद्देश्यों से इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ ताकतें एफएटीएफ की तलवार पाकिस्तान के ऊपर लटकाए रखना चाहती हैं। कुरैशी ने कहा कि यह तय करने की जरूरत है कि एफएटीएफ टेक्निकल फोरम है या पॉलिटिकल। हालांकि, कुरैशी ने यह भी माना कि पाकिस्तान जो भी कदम उठा रहा है वह उसके अपने हित में भी है। उन्होंने कहा, ''हमारा हित क्या है? हमारा हित मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फाइनेंशिंग रोकने में है और जोकुछ भी हमारे हित में हैं, हम करना जारी रखेंगे।"

आतंकवाद को पैसा और पनाह देने के दोषी हैं...पाक का नाम लिए बगैर आतंक के आका को UN में भारत ने ऐसे लताड़ा

पाकिस्तान का नाम लिए बगैर भारत ने संयुक्त राष्ट्र में आतंकवाद के मुद्दे पर खरी-खोटी सुनाई। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में कहा कि वह पिछले कई दशकों से खासकर सीमा पार से होने वाले आतंकवाद का शिकार रहा है और कुछ देश ऐसे हैं जो आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन करने एवं आतंकवादियों को पनाह देने के लिए साफ तौर पर दोषी हैं। भारत ने भले ही स्पष्ट तौर पर न कहा हो, लेकिन उसका इशारा पाकिस्तान की तरफ था। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने दूसरे आतंकवाद निरोध सप्ताह के दौरान 'कोविड-19 के बाद के परिदृश्य में आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटना' शीर्षक वाले उच्च स्तरीय ऑनलाइन कार्यक्रम में कहा कि आतंकवाद के खतरे से सफलतापूर्वक निपटने के लिए आर्थिक संसाधनों तक आतंकवादियों की पहुंच को रोकना अहम है। तिरुमूर्ति ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा, 'भारत पिछले कई दशकों से आतंकवाद का शिकार रहा है। वह खासकर सीमा पार से आतंकवाद का शिकार रहा है।' उन्होंने कहा कि कुछ देश ऐसे हैं, जिनके पास आतंकवाद को धन मुहैया कराने से रोकने के लिए जरूरी क्षमताओं और कानूनी-परिचालन ढांचों का अभाव है, वहीं ''कुछ अन्य देश हैं जो आतंकवाद को सहायता देने और आतंकवादियों को इच्छा से आर्थिक सहयोग और पनाह देने के साफ-साफ दोषी हैं।

80, 90 वालों को छोड़िए...100 साल वाले बुजुर्ग भी सेक्स के लिए ले रहे वियाग्रा

अक्सर लोग सेक्स पावर बढ़ाने और पार्टनर को खुश करने के लिए वियाग्रा दवा लेते हैं। मगर यहां आपको जानकर हैरानी होगी कि ब्रिटेन में बड़ी संख्या में बुजुर्ग इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। कोरोना काल में सेक्स पावर के लिए ब्रिटेन में रिकॉर्ड संख्या में 80 साल से अधिक उम्र वाले लोग वियाग्रा जैसी दवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं।

वियाग्रा दवा लेने वालों में एक शख्स की उम्र 102 साल भी है। पिछले पांच साल में वियाग्रा जैसी दवाओं के लिए प्रिस्क्रिप्शन 42 फीसदी तक बढ़ गए हैं। द सन वेबसाइट की खबर के मुताबिक, पिछले साल 80 साल के उम्र वाले लोगों को वियाग्रा जैसी दवाओं के लिए 180,000 प्रिस्क्रिप्शन जारी किए गए थे। वहीं, 90 साल से अधिक उम्र के बुजुर्ग के लिए 5 हजार वियाग्रा दवा के लिए प्रिस्क्रिप्शन जारी किए गए थे। इनमें कुछ इरेक्टाइल डिसफंक्शन में इस्तेमाल हुई तो कुछ सेक्स के लिए। आंकड़ें बताते हैं कि हाल के दिनों में वियाग्रा दवा लेने वालों की लिस्ट में सिर्फ 102 साल का एक ही बुजुर्ग नहीं है, बल्कि 99, 100 और 101 साल की उम्र वाले बुजुर्ग भी हैं, जिन्होंने सेक्स के लिए इस दवा का सेवन किया है। पिछले साल इन दवाओं के प्रिस्क्रिप्शन की संख्या 4.4 मिलिनय थी, जिसकी कीमत करीब 21.3 मिलियन डॉलर है।

केंट यूनिवर्सिटी में समाजशास्त्र के प्रोफेसर फ्रैंक फुरेडी ने कहा कि मुझे हैरानी नहीं है कि 80 से अधिक उम्र वाले पुरुषों की संख्या अब तक के उच्चतम स्तर पर है, जो सेक्स लाइफ की समानता बनाए रखने के लिए वियाग्रा का उपयोग कर रहे हैं। ब्रिटेन में सिल्डेनाफिल दवा सबसे लोकप्रिय है, जो वियाग्रा के नाम से जानी जाने वाली दवा का सामान्य नाम है। हालांकि, इन आंकड़ों में इरेक्टाइल डिसफंक्शन से निपटने में रोगियों की मदद करने के लिए इंग्लैंड में दिए गए वियाग्रा के प्रिस्क्रिप्शन भा शामिल हैं।

बता दें कि इरेक्टाइल डिसफंक्शन यानी नपुसंकता उस यौन संबंधित रोग को कहते हैं जो इंसान के शरीर में वीर्य कम या खत्म हो जाता है और इसी कारण वह संतान की प्राप्ति नहीं कर सकता।

इसे स्तंभन दोष भी कहा जाता है।

कहीं मैं कोरोना से मर गई तो.... इस डर महिला ने ले ली 5 साल की बेटी की जान, 15 बार घोंपा चाकू

कोरोना वायरस ने देश और दुनिया की नाक में दम किया हुआ है। वहीं लाखों लोग अपनी जान भी गंवा चुके हैं। इस वायरस के चलते जरा सा बीमार होने पर लोगों के दिलों में जिंदगी को लेकर खौफ बैठ जा रहा है। हाल में आई खबर से मालूम होता है कि खौफ कितना खतरनाक है। यहां एक महिला ने अपनी 5 साल की बच्ची को इस डर में बेरहमी से मार डाला कि -अगर मैं कोरोना से मर गई को इस बच्ची की देखभाल कौन करेगा।

कोरोना का डर

दरअसल हाल में खबर आई कि ब्रिटेन की राजधानी लंदन में एक मां ने अपनी ही 5 साल की बेटी सयागी को चाकू से गोदकर मौत के घाट उतार दिया। 36 वर्षीय सुथा शिवनाथम को इस हैवानियत के लिए पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और कोर्ट में सुनवाई चल रही है। महिला के पति ने बताया कि सुथा शिवनाथम ने अपनी पांच साल की बेटी की 15 बार चाकू मारकर हत्या इसलिए कर दी क्योंकि शायद उसे डर था कि वह कोविड-19 से मर गई तो उसकी बेटी की देखरेख कौन करेगा।

'हमेशा लगता था मर जाएगी'

हालांकि, यहां मामला एक मानसिक बीमारी से जुड़ा मालूम पड़ता है। अरेंज मैरिज के बाद साल 2006 से यूके में रह रही शिवनाथम को लगभग एक साल पहले रहस्यमय बीमारी का पता लगा था। उसके पति ने बताया कि उसे हमेशा लगता था कि वह मर जाएगी। घटना के दिन, उसने अपने पति से काम पर न जाने को कहा और दोस्तों को फोन करके बताया कि वह ठीक नहीं है।

बेटी पर 15 वार कर ली जान

शाम को जब करीब 4 बजे पड़ोसी उसके घर पहुंचे तो शिवनाथम के पेट पर चाकू से हमला किया गया और बिस्तर पर लेटी उसकी बेटी सयागी के गले, छाती और पेट में 15 वार किए गए थे। बेटी मर चुकी थी जबकि महिला घायल थी। शिवनाथम ने माना कि यह सब उसने किया है। खुद को पहले भी घायल कर चुकी शिवनाथम दो महीने अस्पताल में भी रह चुकी है। उसके साइकेट्रिस्ट ने बताया कि लॉकडाउन में और अकेली होने के चलते वह स्ट्रेस में आ गई थी।

"ज़िन्दगी उन अफसानों का जीता जागता रुप है, जो हम खुद को सुनाते हैं।"- डॉ. भावना गौतम

मुंबई। 'महामारी ने स्वास्थ्य और कुशलता के प्रति हमारा दृष्टिकोण ही बदल दिया है। शुक्रवार २५ जून २०२१ को मुंबई के अँधेरी (वेस्ट) में आयोजित एक कार्यक्रम में एम्ब्रेसलाइफ की संस्थापक हैं व इस संस्था के तहत वह होलिस्टिक हेल्थ कंसल्टेंसी तथा वैलनेस कोचिंग देने वाली डॉक्टर भावना गौतम ने अपने स्वास्थ्य- आकांक्षी (वह उन्हें रोगी नहीं कहती है) श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा। शारीरिक और मानसिक कुशलता का आधार वह मस्तिष्क- देह- समीकरण को मानती हैं, और पारम्परिक लक्षण- रोग- उपचार के तरीके को मानवीय कुशल-क्षेम के लिए अपर्याप्त समझती हैं।

एम्ब्रेसलाइफ डॉ भावना के लिए एक यात्रा है, ना कि रातोंरात पैदा हुआ कोई विचार। एक यात्रा जिसे तय करते हुए, पहले एक मेडिकल स्टूडेंट के तौर पर और फिर एक डॉक्टर की भूमिका में, उन्होंने पारंपरिक उपचार और उसके प्रभाव की सीमाओं को समझा। जहाँ हमेशा बीमारी के इलाज पर ज़ोर दिया गया ना कि निवारण पर, लक्षण देखकर बीमारी को टुकड़ों में ठीक करने पर ध्यान रहा ना कि मनुष्य की संपूर्णता को महत्व देते हुए, और केवल शारीरिक आयाम और रोग को केंद्र में रखा गया जबकि अतिमहत्वपूर्ण भावनात्मक, बौद्धिक, तथैव आध्यात्मिक पहलूओं को गौण माना गया।

वे कहती है," टिस (टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ़ सोशल साइंसेज) से हॉस्पिटल मैनेजमेंट में मास्टर्स के दौरान मुझे मानवीय स्वास्थ्य की बृहद तस्वीर देखने को मिली और मनुष्य के अंतर्मन और उसके बाहरी वातावरण का उसके शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक कुशल-क्षेम के लिए महत्व समझ में आया।"

आगे डॉक्टर भावना कहती है," उसके बाद का मेरा स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र का या फिर अस्पताल प्रबंधन का अनुभव रहा हो, मैं हमेशा व्यक्ति की सम्पूर्ण कुशलता को लेकर सोचती रही। अधिकतम रोग या विकार आज दीर्घकालिक जीवनशैली रोगों की श्रेणी में आते हैं। मगर सभी रोगों का उपचार आज भी जीवनशैली में गुणात्मक बदलाव को नज़रंदाज़ करके किया जाता है।

बीमारी को तो आज सब समझते हैं, वह इंसान भी जो इस चुनौती से जूझ रहा होता है। तथापि, हम यह कभी नहीं समझ पाते हैं कि वे कौनसे तत्व हैं जो हमारी कुशलक्षेम के बारे में हमारा चयन, हमारे विकल्प, और हमारा दृष्टिकोण निर्धारित करते हैं। एक व्यक्ति क्या महसूस करता है, क्या सोचता है, और अपने साथ, या दूसरों के साथ कैसे जुड़ता है या क्या वार्तालाप करता है, ये सब बातें उसके ठीक होने, सँभलने, और खोया हुआ वापस पाकर ज़िन्दगी के अहाते में लौटने में बहुत कारगर होती हैं। यह सब आज वैश्विक स्तर पर हो रहे अनुसंधानों के मुताबिक है, जिनसे तय हो गया है कि एक व्यक्ति की मानसिक कुशलता ही उसके स्वास्थ्य और जीवन की ख़ुशी का आधार है।"

उनकी एम्ब्रेसलाइफ का मूलमंत्र है, एक जैविक और दीर्घजीवी अंतरशक्ति का निर्माण करना, जिससे व्यक्ति अपने जीवन को दिशा देने में समर्थ हो सके। ऐसा परिवर्तन आपके स्वास्थ्य और कुशलता तक ही सीमित नहीं होता है,बल्कि आपके संबंधों, आपके करियर, यहाँ तक कि आपके मूलतत्व तक जाता है। एम्ब्रेसलाइफ का उद्देश्य है आपकी सर्वश्रेष्ठ कहानी की संरचना तैयार करना। एक ऐसी कहानी जो आपकी प्रतिष्ठा, आपके चिंता या स्वास्थ्य की चुनौतियों के बोझ तले नहीं दबे। एम्ब्रेसलाइफ आपके अफसाने का मजमून बदलने में आपका साथी होना चाहता है। आपके मन में छुपा एक सपना है और आपको लगता है वह सपना साकार नही हो सकता, एम्ब्रेसलाइफ उस सपने की तामीर में आपका सहयोगी बनना चाहता है।

"टीम मेरी संपत्ति है,टीम मेरा निवेश है और टीम मेरी ताकत है।"- चैतन्य जंगा

मुंबई: एक शौकिया कार्टूनिस्ट की यात्रा है, जिसने तीस साल की छोटी सी अवधि में एक व्यापारिक साम्राज्य रिसर्च मीडिया ग्रुप समूह का निर्माण किया और कॉर्पोरेट दिग्गजों के बीच अपने लिए एक जगह बनाई। विजयवाड़ा स्थित रिसर्च मीडिया ग्रुप के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री चैतन्य जंगा कौशल और क्षमताओं के अनूठे मिश्रण के साथ एक उपलब्धि हासिल करने वाले व्यक्ति हैं। उन्होंने अपनी कंपनियों के समूह को बेहद धीरज, धैर्य और दृढ़ संकल्प के माध्यम से उल्लेखनीय ऊंचाइयों तक पहुंचाया । चैतन्य जंगा, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, रिसर्च मीडिया ग्रुप ने आरएमजी की विस्तार योजनाओं की घोषणा करने के लिए अंधेरी (पश्चिम), मुंबई में एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किया था,जिसमें लोगों के साथ अपनी अद्भुत जीवन कहानी साझा की। एक व्यवसाय शुरू करने और अनुकूल और प्रतिकूल आर्थिक परिदृश्य दोनों में अपनी पकड़ को मजबूत में बताया। उनका कहना था कि कार्य का कठिन हिस्सा ग्राहकों, सहकर्मियों, कर्मचारियों, निवेशकों और सहयोगियों जैसे कई लोगों को खुश करना है,अच्छे अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक की पहचान उनकी योग्यता या अनुभव और बाजार का प्रभाव नहीं है,यह लोगों के साथ उनका काम करने का ढंग है। रिसर्च मीडिया ग्रुप के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक चैतन्य जंग एक प्रेरक उद्यमी हैं। रिसर्च मीडिया की शुरुआत 1992 में चैतन्य जंगा ने M.B.A पोस्ट ग्रेजुएट से की थी। इन सभी वर्षों के दौरान समूह ने कई मील के पत्थर पार किए और मीडिया संचालन में अपनी बढ़त बनाए रखी। वह आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा कृष्णा जिले के एक मध्यम वर्गीय परिवार से हैं।हालांकि उनका प्रारंभिक जीवन चुनौतीपूर्ण था, भाग्य ने घरेलू संघर्षों के रूप में हस्तक्षेप किया।चैतन्य जंगा बताते है,"मैंने अपने करियर की शुरुआत एक कार्टूनिस्ट के रूप में की है। अपने एमबीए के बाद मैंने देखा है कि तत्कालीन संयुक्त आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में राजनीतिक, वाणिज्यिक और सिने बिज़ राजधानी में उचित ब्रांडिंग सेवा नहीं है। फिर सभी आने वाली कंपनियों की तरह रिसर्च मीडिया एडवरटाइजिंग का रूप ले लिया, धीरे-धीरे इसने रोमांचक रिटर्न दिया और फिर मैंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। फिर रिसर्च मीडिया विज्ञापन ने विशाखापत्तनम, हैदराबाद, चेन्नई, बैंगलोर, गोवा, कोलकाता, मुंबई, दिल्ली और भारत के कुछ अन्य स्थानों और

दुबई, सिंगापुर, बांग्लादेश, मलेशिया, बैंकाक, श्रीलंका, यूके और यूएसए में अपनी शाखाएं लॉन्च की। मैं अविश्वसनीय रूप से धन्य और भाग्यशाली था कि मुझे कई प्रतिभाशाली लोग मिले जिन्होंने एक उद्यमी बनने के लिए मार्गदर्शन किया और फिर मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।यह विभिन्न प्रतिभाशाली समूहों के विशेषज्ञों की समर्पित टीम वर्क है, जिसने समूह को भीड़ के बीच ताज के रूप में रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। टीम मेरी संपत्ति है। टीम मेरा निवेश है और टीम मेरी ताकत है।" रिसर्च मीडिया ग्रुप देश व विदेश में १८ हज़ार से ज्यादा लोगों को सेवाएँ दे चूका है और दे रहा है। सेलेब्रिटी हब और रेड ब्रांडिंग समूह के महत्वपूर्ण घटक हैं, जहां दुनिया भर में हजारों मॉडल और मॉडल बननेवालों के लिए सही मंच हैं। कई फैशन शो, वेब सीरीज, निजी एल्बम आदि के लिए समूह द्वारा पेश किए जाने से हजारों मॉडल लाभान्वित हुए हैं। समूह ने एक से अधिक मोर्चों पर अपनी पहचान बनाई है और जहां भी प्रवेश किया है, एक अग्रणी स्थिति हासिल की है। समूह का कारोबार रु. पिछले वित्तीय वर्ष में 572 करोड़ है और आगामी दो वित्तीय वर्षों में 1000 करोड़ रुपये को पार करने की योजना है। पी.वी.एस. वर्मा, समूह के कार्यकारी निदेशक हैं।

नेशनल टीवी पर सगाई करने के इतने सालों बाद छलका रतन राजपूत का दर्द

टीवी की दुनिया की जानी मानी अदाकारा रतन राजपूत लंबे टाइम से एक्टिंग वर्ल्ड से दूर हैं। हालांकि एक इंटरव्यू के दौरान रतन ने अपनी पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर कुछ ऐसा कह दिया है जिससे वह एक बार खबरों में छाई हुई हैं।

'रतन का रिश्ता' से अभिनव शर्मा को चुना था अपना हमसफर

आपको याद दिला दें कि साल 2010 में रतन राजपूत ने अपने रियलिटी शो 'रतन का रिश्ता' से खूब सुर्खियां बटोरीं। इस शो की वजह से रतन काफी कॉन्ट्रोवर्सी में भी रही थीं। उन्होंने इस शो में अपना रियल स्वयंवर रखा था। इसमें देश-विदेश से आए कई हैंडसम हंक ने हिस्सा लिया और रतन का दिल जीतने की कोशिश की थी। रतन राजपूत ने भी 10 साल पहले अपने हमसफर के लिए अभिनव शर्मा को चुना था।

लोगों का लगा मैंने पैसे की वजह रचाई थी अपना स्वयंवर

ETimes के साथ बातचीत में रतन राजपूत ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में कई उतार-चढ़ाव के बारें में बात कीं। इस दौरान जब एक्ट्रेस से पूछा गया कि, 'रियलिटी शो 'रतन का रिश्ता' करने के लिए आपकी आलोचना हुई थी, इससे आपकी करियर पर क्या असर पड़ा? इस सवाल का जवाब देते हुए कहा कि लोगों की नजर में मैंने इस शो अटेंशन और पैसे को लोभ में की थी, हालांकि ये सच नहीं है।

'रतन का रिश्ता' नकली नही था

रतन आगे इस बारें में विस्तार से कहती हैं कि इस शो को ज्वाइंन करने से पहले मैंने कई बार इस बारें में सोची और तब जाकर हामी भरी। सच कहूं तो यह बिल्कुल भी नकली नहीं था, सब कुछ रियल था। सिर्फ इसलिए कि, मुझे शो में एक आदमी मिला और मैंने टेलीविजन पर सबके सामने सगाई कर ली, लोगों ने सोचा कि यह एक नौटंकी है।

अभिनव शर्मा से सगाई के बाद टीवी से ली ब्रेक

वह आगे कहती हैं कि अभिनव शर्मा से सगाई के बाद मैंने इस रिश्ते को और मजबूत बनाने के लिए ही एक साल एक्टिंग से ले ली थी। लेकिन ये दुर्भाग्य रहा कि मैं कामयाब नहीं हो पाई और आखिर में हमने इसे आपसी सहमति से खत्म करने का निर्णय लिया था।

वह कहती हैं कि अगर मैं इसके बारे में गंभीर नहीं होती, तो मैं काम से छुट्टी क्यों लेती? हम मुझे सिर्फ पैसा चाहिए होता, तो हम झूठ बोल सकते थे और डांस रियलिटी शो में एक साथ कमाई करने के लिए भाग ले सकते थे, लेकिन हमने ऐसा कुछ नहीं किया। जब लोग ऐसी बातें करते हैं तो मुझे दुख होता है।

'प्यार का पंचनामा' फेम सोनाली सहगल ने पहनी 'फटी' टीशर्ट

फिल्म 'प्यार का पंचनामा' में काम कर चुकीं अभिनेत्री सोनाली सहगल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। उनके फैंशन सेंस को लेकर कई बार उन्हें ट्रोल भी होना पड़ता है। अब उनका एक ऐसा ही वीडियो आया है जिसमें वह जिम के बाहर स्पॉट की गईं सोनाली भी उसी जिम में जाती है जहां से राखी सावंत के वीडियोज अक्सर सामने आते रहते हैं। वीडियो को वूंपला ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है।

यूजर्स ने किए तरह-तरह के कमेंट्स

सोनाली ने इस दौरान व्हाइट कलर की टीशर्ट और स्पोर्ट्स ब्रा पहनी है। उनके टीशर्ट के स्टाइल को देखने के बाद उन्हें ट्रोल किया जाने लगा। एक यूजर ने कहा- 'लगता है लॉकडाउन में घूम रही थी और पुलिस ने खूब धोया।' एक अन्य यूजर ने कहा- 'आज पता चला हमारे देश में बहुत लोग गरीब हैं।' एक अन्य ने लिखा- 'इस लेडी को मेरा पोछे का कपड़ा

काफी पसंद आया और उसने चुराकर पहन लिया।'

करियर की खास बातें

सोनाली सहगल ने साल 2011 में फिल्म 'प्यार का पंचनामा' से डेब्यू किया था। इसके बाद वह 'प्यार का पंचनामा 2', 'सोनू के टीटू की स्वीटी', 'हाईजैक' और 'जय मम्मी दी' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

अनुष्का को जल्दबाजी नहीं

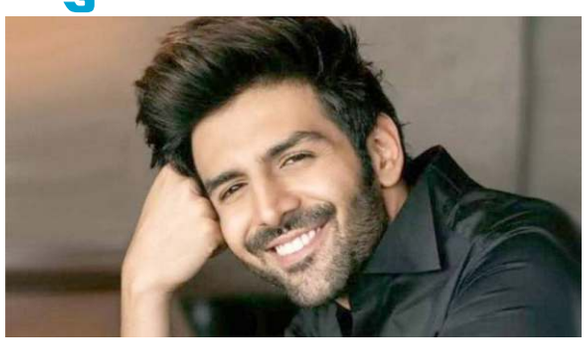

कोरोना काल में में लॉकडाउन के कारण लोगों के समक्ष काम के लाले पड़े हैं। लेकिन बॉलीवुड अभिनेत्री ने काम से लंबा ब्रेक लेने का एलान कर दिया है। उनके इस निर्णय से फैंस हताश तो हैं लेकिन अनुष्का शर्मा महामारी काल में कोई जोखिम मोल नहीं चाहती हैं। मीडिया रिपोर्टों की माने तो अनुष्का अभी कोई भी फिल्म नहीं करनेवाली हैं। उन्होंने वर्ष २०२२ तक कोई भी फिल्म नहीं करने की घोषणा कर दी है। एक फिल्मी वेबसाइट ने अनुष्का के करीबी सूत्र के हवाले से लिखा है कि फिलहाल अनुष्का के लिए प्राथमिकता में सिर्फ उनकी बेटी है। मालूम हो कि अनुष्का शर्मा ने इसी साल जनवरी में एक प्यारी बच्ची वामिका को जन्म दिया है। अब अनुष्का बेटी के लिए सभी सेफ्टी प्रोटोकॉल ले रही हैं और बिल्कुल भी बाहर नहीं निकल रही हैं। उन्होंने शूटिंग के सारे प्लान रद्द कर दिए हैं।

तेलुगु फिल्म ' Naandhi' का हिंदी रीमेक बनाएंगे अजय देवगन, प्रोड्यूसर दिल राजू से मिलाया हाथ

अभिनेता अजय देवगन और प्रोड्यूसर वी वेंकट रमना रेड्डी उर्फ दिल राजू साथ मिलकर तेलुगु फिल्म 'Naandhi' की हिन्दी रीमेक को प्रोड्यूस करेंगे। इस बात की जानकारी खुद अजय ने ट्वीट करते हुए दी है। बता दें कि यह तेलुगु फिल्म एक क्राइम कोर्ट रूम ड्रामा है, जिसे दर्शकों और फिल्म समीक्षकों की अच्छी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली थीं। यह इसी साल 16 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में अल्लारी नरेश और वरलक्ष्मी सरतकुमार ने शानदार एक्टिंग कर सभी का दिल जीत लिया था।

अजय देवगन ने किया ट्वीट

अजय देवगन ट्वीट करते हुए लिखा , "आप सभी के साथ एक जरूरी कहानी साझा करने का वक्त है। दिल राजू प्रोडक्शन और एडी फिल्म्स (अजय देवगन फिल्म) तेलुगु की हिट फिल्म 'Naandhi' के हिंदी रीमेक को प्रोड्यूस करने को तैयार हैं।"

अजय संग काम करने को बेताब हैं डायरेक्टर

फिल्म को लेकर कहा जा रहा है कि अभी मेकर्स फिल्म के निर्देशक और स्टार कास्ट को फाइनल करने की प्रक्रिया में हैं। बॉलीवुड हंगामा की खासबीत में प्रोड्यूसर राजू का कहना है कि 'Naandhi' एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर बनी फिल्म है,

जिसे अधिक से अधिक दर्शकों तक पहुंचाने के लिए वे प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, "मैं इस तरह की महत्वपूर्ण कहानी पर अजय के साथ काम करने को लेकर बहुत खुश हूं। हमारी फिल्म अभी प्रारंभिक चरण में है और जल्द ही हम विस्तृत जानकारी साझा करेंगे।

'Naandhi'की तैयारी में अजय

रिपोर्ट के मुताबिक, अजय देवगन को ये फिल्म इतनी पसंद आई है कि, उन्होंने इसके हिंदी रीमेक के राइट्स खरीद को विवश हो गए और वो अब इसे 2021 में रिलीज के लिए इसकी तैयारी में जुट गए हैं। अजय देवगन के साथ इसमें दिल राजू, कुलदीप राठौड़ और पराग देसाई भी प्रोड्यूसर होंगे। पराग देसाई अजय देवगन के पब्लिसिस्ट हैं और वो करीब एक दशक से उनके साथ काम कर रहे हैं।

अजय की अपकमिंग फिल्में

इस फिल्म के अवाला अभी अभी अजय के पास कई फिल्में हैं जो रिलीज होने के लिए तैयार हैं। उनमें से फिल्म 'मैदान' जिसमें अजय एक फुटबॉल कोच की भूमिका निभाते दिखेंगे। इस फिल्म के अलावा अजय एसएस राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' और संजय लीला भंसाली की फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' में भी अहम भूमिका में नजर आने वाले हैं।

कंगना रनौत दर्ज एफआईआर के खिलाफ पहुंचीं बॉम्बे हाईकोर्ट

कंगना रनौत कॉपीराइट उल्लंघन मामले को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंची हैं। उनके वकील रिजवान सिद्दीकी ने कंगना के खिलाफ मामले में दर्ज एफआईआर को चुनौती दी है। कंगना रनौत, उनकी बहन रंगोली चंदेल, भाई अक्षत दीप रनौत और निर्माता कमल जैन के खिलाफ इसी साल मार्च में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। 'दिद्दा: वॉरियर क्वीन ऑफ कश्मीर' के लेखक आशीष कौल ने उन पर कॉपीराइट उल्लंघन और धोखाधड़ी का आरोप लगाया था।

वकील ने दी दलील

कंगना के वकील रिजवान सिद्दीकी ने शुक्रवार को हाईकोर्ट में दलील दी कि 'एफआईआर एक झूठे मामले पर आधारित है। ऐसा कोई काम नहीं था जिससे कॉपीराइट का उल्लंघन हुआ हो। उन्होंने (कंगना) अपने सोशल मीडिया पर यह घोषणा की थी कि रानी दिद्दा पर एक फिल्म बनाने की योजना है।'

कोर्ट ने क्या कहा

जस्टिस एसएस शिंदे और जीए सनप की खंडपीठ ने समय की कमी को देखते हुए कहा कि 'याचिकाकर्ता सोमवार (28 जून) को आगे की सुनवाई का अनुरोध कर सकते हैं।' जनवरी 2021 में कंगना रनौत ने एलान किया था कि उनके प्रोडक्शन हाउस की अगली फिल्म 'मणिकर्णिका रिटर्न्स: द लीजेंड ऑफ दिद्दा' है, जो कि कश्मीर की रानी की कहानी पर आधारित है। 15 मार्च 2021 को फिल्म के निर्माता कमल जैन, कंगना रनौत और उनके भाई-बहन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। किताब 'दिद्दा: द वॉरियर क्वीन ऑफ कश्मीर' किताब के लेखक आशीष कौल ने उन पर कॉपीराइट उल्लंघन और धोखाधड़ी का आरोप लगाया था।

रकुल हुईं गॉसिप से परेशान

फिल्मी कलाकारों से जुड़े गॉसिप अक्सर मीडिया में सुर्खिया बनते हैं। कई बार गॉसिप कलाकारों को परेशान भी करते हैं। खूबसूरत अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के साथ भी ऐसा ही कुछ हो रहा है। रकुल प्रीत सिंह पिछले कुछ दिनों से अपने काम को लेकर खबरों में बनी हुई हैं। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रकुल के पास टॉलीवुड फिल्मों के ऑफर नहीं आ रहे हैं क्योंकि वह हिंदी में बैक-टू-बैक प्रोजेक्ट्स कर रही हैं। अब रकुल प्रीत ने उन सभी खबरों को खारिज किया है, जिसमें उनके पास काम न होने का दावा

किया गया था। बल्कि रकुल प्रीत ने बताया कि अभी भी उनके पास ६ फिल्में हैं, जिस पर वो काम कर रही हैं। रकुल प्रीत सिंह ने इस खबर को शेयर करते हुए ट्वीट कर लिखा, 'मुझे आश्चर्य है कि मैंने ऐसा कब कहा। दोस्तों साल में सिर्फ ३६५ दिन होते हैं और अगर आप ६ से ज्यादा फिल्मों को एडजस्ट करने में मदद कर सकते हैं, जो मैं अभी कर रही हूं तो कृपया मेरी मदद करें। 'निथिन चेक' में देखी गई थी और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल रही थी।

अब दोस्ताना निभाएंगे

खिलाड़ी कुमार बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन की फिल्म 'दोस्ताना २' से कटिंग की खबरें पिछले दिनों मीडिया में सुर्खियां बनी थीं। कार्तिक के बाहर होने के बाद मेकर्स के लिए यह बड़ी समस्या हो गई कि उनकी जगह किस एक्टर को कास्ट किया जाए लेकिन अब खबर आ रही है कि करण जौहर के धर्मा प्रॉडक्शन की फिल्म 'दोस्ताना २' में कार्तिक की जगह अक्षय कुमार को दोस्ताना निभाने का मौका दिया जाएगा। बॉलीवुड के खबरिया सूत्रों की मानें तो करण जौहर ने अक्षय

कुमार से इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए निजी तौर पर रिक्वेस्ट किया है। खबर के अनुसार अक्षय ने फिल्म के लिए हां भी कह दी है और २०२२ में शूटिंग शुरू होने की उम्मीद है।

महाराष्ट्र बी.आर्क प्रवेश 2021

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

बी आर्क या बैचलर इन आर्किटेक्चर को ऐसे आर्किटेक्ट तैयार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो आर्किटेक्चरल और अन्य निर्माणों को डिजाइन / योजना बना सकते हैं। वास्तु अध्ययन में भवन के मॉडल डिजाइन करने, निर्माण का खाका तैयार करने और किसी भी भूमि और भवन की अन्य भौतिक संरचनाओं की गतिविधि शामिल है। निर्माण उद्योग और अन्य वाणिज्यिक उद्योगों में बढ़ती मांग को पेशेवरों और विशेषज्ञों द्वारा पूरा किया जा सकता है, जो कोई भी इस कोर्स को करने के बाद बन सकता है। कार्यक्रम में मानविकी, इंजीनियरिंग, सौंदर्यशास्त्र, आदि की विभिन्न धाराओं के विभिन्न पहलू शामिल हैं। बी.आर्क पाठ्यक्रम में विभिन्न सिद्धांत विषय, स्टूडियो, परियोजना कार्य, व्यावहारिक प्रशिक्षण और अनुसंधान प्रशिक्षण शामिल हैं।

तकनीकी शिक्षा निदेशालय, महाराष्ट्र MHT CET केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से B.Arch डिग्री प्रोग्राम में योग्य उम्मीदवारों को सीटें आवंटित करता है। D T E जल्द ही सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और B.Arch कार्यक्रम में प्रवेश के बारे में अधिसूचना जारी करेगा। सत्र 2021-2022 के लिए गैर सहायता प्राप्त संस्थान।

इच्छुक उम्मीदवार महाराष्ट्र के स्टेट कॉमन एंट्रेंस टेस्ट सेल की आधिकारिक वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद प्राधिकरण द्वारा तैयार मेरिट सूची के आधार पर सीटों का आवंटन किया जाता है। महाराष्ट्र बी आर्क प्रवेश के लिए चयन योग्यता परीक्षा और नेशनल एप्टीट्यूड टेस्ट इन आर्किटेक्चर (एनएटीए) परीक्षा में उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त योग्यता के आधार पर किया जाता है।

नेशनल एप्टीट्यूड टेस्ट इन आर्किटेक्चर (NATA) एक राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा है, जो काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर द्वारा 5 वर्षीय बी. आर्क डिग्री में प्रवेश के लिए आयोजित की जाती है। उम्मीदवार को नेशनल एप्टीट्यूड टेस्ट इन आर्किटेक्चर (NATA) में वैध स्कोर प्राप्त करना चाहिए।वर्तमान में नाटा प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण 11 जुलाई 2021 को निर्धारित परीक्षा के लिए उपलब्ध है। कोई भी उम्मीदवार जो वास्तुकला में प्रवेश चाहता है, वह अपनी वेबसाइट के माध्यम से नाटा के लिए आवेदन कर सकता है: www.nata.in. अधिक विस्तृत जानकारी के लिए आप tsapmumbai.in जा सकते हैं

जे यू एम द्वारा पत्रकारों के विकास के लिए संघर्ष करने का संकल्प

जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ महाराष्ट्र के मीरा भायंदर नगर इकाई की कार्यकारिणी की घोषणा

मीरा रोड : जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ महाराष्ट्र के अध्यक्ष नारायण पांचाल द्वारा रविवार २० जून 2021 को रौनक होटल मीरा रोड में संस्था का एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जोकि सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। जहाँ बैठक में मीरा भायंदर नगर इकाई के कार्यकारी पदाधिकारियों की घोषणा अध्यक्ष नारायण पांचाल द्वारा की गयी।जिसमे सर्वसम्मति से नारायण पांचाल ने मीरा भायंदर मनपा यूनिट की घोषणा की जिसमे विजय मोरे को अध्यक्ष की कमान सौंपी गई तो सचिव पद पर नीलेश फापाले,उपाध्यक्ष सीमा गुप्ता, संघटक प्रमोद देठे, क़ानूनी सलाहकार रोहित आसले एड. नामदेव काशिद,कोषाध्यक्ष दिलीप पटेल और प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजेश जाधव इस अवसर पर की नियुक्ति की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष नारायण पांचाल ने कहा," कोरोना काल मे पत्रकारों ने अपनी जवाबदारी निष्ठापूर्वक निभाई,परंतु प्रशासन पत्रकारों को लेकर सकारात्मक भूमिका में नही दिखा, जिसकी शिकायत अनेक पत्रकारों ने की और कई पत्रकारों ने अपनी जान तक गंवा दी। इस समय पत्रकारों के विकास के लिए लड़ने का फैसला हमलोगों ने लिया है।"इस बैठक में पत्रकारों के लिए आवास योजना व प्रेस क्लब बनाने का निर्णय लिया गया।स्थानीय समाचार पत्र सुचारू रूप से प्रकाशित होते रहे, इसके लिए सरकारी विज्ञापन कैसे मिले इस पर चर्चा की गई।नवनिर्वाचित अध्यक्ष विजय मोरे ने अपनी नियुक्ति को लेकर कहा कि संगठन साथियों के साथ की वजह से मजबूत होता है और उन्हें पूरी उम्मीद है कि सभी नवनिर्वाचित सदस्य पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए जेयूएम के दिशा निर्देशो का पालन करते हुए शहर में एक मिसाल कायम करेंगे।इस अवसर पर साप्ताहिक समाचार पत्रों के संपादकों के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथी उपस्थित रहे।

मुंबई और ठाणे में फेक कोविड वैक्सीनेशन, बीएमसी ने बनाए नए नियम....जानें क्या हैं गाइडलाइंस

मुंबई, मुंबई में फर्जी टीकाकरण के मामले दिन-ब-दिन सामने आ रहे हैं। अब तक 2 हजार 53 लोगों को फर्जी टीके लगाए जाने का खुलासा हुआ है। इस फर्जी टीकाकरण को रोकने के लिए अब अपने बनाए हुए नियमों का पालन बीएमसी कड़ाई से करने जा रही है। इसके तहत अब सोसायटियों में टीकाकरण करने से पहले प्राइवेट वैक्सीनेशन सेंटर को वॉर्ड के मेडिकल अफसरों को जानकारी देना अनिवार्य किया गया है। बता दें कि कांदिवली के हीरानंदानी हेरीटेज सोसायटी में फर्जी टीकाकरण प्रकरण का खुलासा होने के बाद खार, बोरीवली, वर्सोवा और परेल में भी फर्जी टीका लगाने की घटनाएं हुई हैं। फर्जी टीकाकरण के नए-नए खुलासे होने के बाद अब बीएमसी भी अलर्ट मोड़ पर आ गई है।जारी हुई गाइडलाइंस

बीएमसी की कार्यकारी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मंगला गोमारे ने बताया कि निजी सोसायटियों में टीकाकरण के संदर्भ में प्राइवेट वैक्सीनेशन सेंटर्स के लिए पहले से ही गाइडलाइन्स जारी की जा चुकी है। इस फर्जी टीकाकरण से यह भी बात सामने आयी कि निजी सेंटर्स बीएमसी के दिशा निर्देशों का पालन नहीं कर रहे है। इसीलिये अब बीएमसी सख्ती करने जा रही है। टीकाकरण के बनाए गए नए नियम निजी टीकाकरण केंद्रों के माध्यम से टीका अभियान अपने सोसायटी परिसरों में करने से पहले इसकी सूचना वॉर्ड स्तर पर बीएमसी के मेडिकल अफसर को देना अनिवार्य होगा। यही नियम वैक्सीनेशन सेंटर्स के लिए भी लागू होंगे। गोमारे ने बताया कि सभी टीकाकरण केंद्रों को विशेष पंजीकृत नंबर दिए गए हैं। टीकाकरण की अग्रिम सूचना से यह फायदा होगा कि पंजीकृत नंबर की पड़ताल मेडिकल अफसर कर सकेंगे।

ठाणे जिले में सबसे कम टीकाकरण भिवंडी में

मनपा ने कोविड पर नियंत्रण के लिए शहर के विभिन्न इलाकों में 10 टीकाकरण केंद्र बनाए थे| लेकिन टीका की कमी के कारण आठ केंद्र बंद कर दिए गए थे| टीका मिलने के बाद फिर पांच केंद्र चलाए जा रहे हैं| मनपा इलाके में अब तक 53770 लोगों को ही टीका दिया गया है। ठाणे जिले में सबसे कम टीकाकरण भिवंडी में ही हुआ है। भिवंडी मनपा इलाके में कुल 2670 स्वास्थ्यकर्मियों में से 2598 लोगों को कोरोना की पहली खुराक एवं 1800 लोगों को दूसरी खुराक दी गई है|

11 जुलाई 2021को लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2021 का भव्य आयोजन करने जा रहे है डॉ कृष्णा चौहान

बॉलीवुड फिल्मों के डायरेक्टर और लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड के फाउंडर कृष्णा चौहान अब डॉक्टर कृष्णा चौहान बन गए हैं। जी हां, दरअसल कृष्णा चौहान जी को इस साल उनके जन्मदिन के अवसर पर पीएचडी की उपाधि से नवाजा गया है और इस तरह अब उन्हें डॉक्टर कृष्णा चौहान कहा जाएगा। ये 2021 में कोरोना काल और लॉक डाउन के समय मे कृष्णा चौहान जी को सबसे बड़ा जन्मदिन का तोहफा मिला है। कोविड 19 और लॉक डाउन की वजह से डॉ कृष्ण चौहान जी ने अपने घर पे ही अपना जन्मदिन मनाया। था आपको बता दें कि डॉ. कृष्ण चौहान हर साल अपने जन्मदिन पर राशन और भगवतगीता वितरित करते हैं और जरूरतमंद लोगों की मदद करते हैं। मुम्बई में लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड मई 2021 में करने वाले थे मगर कोरोना काल और लॉकडाउन की वजह से ये अवार्ड फंक्शन नहि हो पाया। इसी लिए यह अवॉर्ड अब दिनाक 11जुलाई 2021 साम 5 बजे मेयर हॉल जूहू में आयोजित किया जाएगा। 26 दिसंबर 2021 को बोलीवुड आइकोनिक अवार्ड 2021 का आयोजन किया जाएगा। गौरतलब है कि डॉ कृष्णा चौहान 28 फरवरी को बोलीवुड आइकोनिक अवार्ड 2021 का सफल आयोजन कर चुके हैं।आपको बता दें कि डॉ कृष्णा चौहान की एनजीओ/ ट्रस्ट है जिसका नाम कृष्णा चौहान फाउंडेशन है। इस संस्था के अंतर्गत गरीबों और जरूरतमंदों में भोजन का वितरण और भगवतगीता का वितरण किया जाता है। डॉ कृष्णा चौहान खुद एक सामाजिक कार्यकर्ता है, जो लोगो की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2021 फंक्शन के दिन डॉ कृष्णा चौहान अपनी बॉलीवुड फिल्म का पोस्टर लॉन्च भी करेंगे जिसकी शूटिंग जुलाई 2021 मे करंगे।उल्लेखनीय है कि डॉ कृष्णा चौहान एक फिल्म निर्देशक हैं जो गोरखपुर यूपी के रहने वाले हैं और मुंबई मैं 18 वर्षो से रह रहे हैं। इन 18 वर्षो में डॉ कृष्णा चौहान ने बॉलीवुड के कई मशहूर निर्देशकों को असिस्ट किया और आज डॉ कृष्ण चौहान किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। डॉ कृष्ण चौहान को आज पूरा बॉलीवुड जानता है।डॉ कृष्णा चौहान की एक हिंदी फिल्म "जीना नही तेरे बिना" रिलीज़ के लिए तैयार है। उनका एक हिंदी एल्बम "ज़िक्र तेरा" भी रिलीज़ होने वाला है। उन्हें उनकी हिंदी शार्ट फिल्म के लिए बेस्ट निर्देशक का पुरस्कार भी मिल चुका है।डॉ कृष्ण चौहान आज जो भी हैं अपनी कड़ी मेहनत की वजह से हैं। बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान रखने वाले डॉ कृष्णा चौहान फिल्म निर्देशक होने के हाथ साथ अवार्ड फंक्शन का आयोजन भी करते रहते हैं। साथ ही वह कृष्णा चौहान फाउंडेशन भी संचालित करते हैं। .डॉ कृष्णा चौहान ने अपने जन्मदिन पर लोगो में राशन किट बाटे। कर भला तो हो भला। वो "सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास" पर यकीन रखते हैं।

मोदी सरकार के खिलाफ नए मोर्चे का सच क्या! शरद पवार ने बताया सबकुछ

केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ नया मोर्चा खोलने के लिए विपक्ष हर जतन कर रहा है। इस बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के चीफ शरद पवार और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर के बीच दिल्ली में हुई मीटिंग खूब चर्चा में रही। इस बैठक के बाद पवार की दूसरे दलों के साथ भी मीटिंग हुई। हालांकि कांग्रेस की इस मीटिंग में गैरमौजूदगी से कई सवाल भी उठे। ऐसे में इसकी चर्चा जोर पकड़ने लगी कि पवार की अगुवाई में मोदी सरकार के खिलाफ कोई नया फ्रंट बनने जा रहा है। हालांकि इन सारे कयासों पर अब खुद शरद पवार ने विराम लगा दिया है। पवार ने कहा कि मीटिंग में गठबंधन पर किसी प्रकार की चर्चा नहीं हुई, लेकिन अगर किसी प्रकार से एक कोई अलग सिसी शक्ति को खड़ा करना भी है, तो कांग्रेस को साथ लेकर ही ये किया जाएगा।

तोड़े जा रहे हैं रेलवे प्रॉजेक्ट से प्रभावित 105 घर

मुंबई, देश के सबसे महत्वपूर्ण रेल प्रॉजेक्ट 'डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर' के काम में कुछ दिनों से बहुत तेजी आई है। हाल में डीएफसीसीआई द्वारा वसई से 10 किलोमीटर दूर सुरंग का एक हिस्सा पूरा किया गया। अब इसी जेएनपीटी वैतरणा प्रॉजेक्ट के हिस्से के लिए ठाणे जिले में निर्माण कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। इसके तहत ठाणे जिले के अहिरे गांव में ट्रैक के अलाइनमेंट में आने वाले घरों को तोड़ा जा रहा है। ठाणे जिले के अहिरे गांव में रेलवे की जमीन पर कुल 273 घर बने हुए थे। इन्हें हटाने का काम शुरू हो चुका है। डीएफसीसीआई के प्रॉजेक्ट मैनेजर राजीव त्यागी ने बताया कि यहां 273 घर प्रभावित हो रहे हैं, तो योजना के पहले चरण में उन 105 घरों को तोड़ा जा रहा है जिन्होंने नकद मुआवजा स्वीकार किया है।

KAANT FOODS®
Manufacturer of Khakhra & Dry Bhakri in Various Flavor

Khakhra & Dry Bhakri is a thin cracker common in the Gujarati and Rajasthani cuisines of western India, especially among Jains. It is made from mat bean, wheat flour and oil. It is served usually during breakfast. Khakhras are individually hand-made and roasted to provide a crunchy and healthy snack that can be enjoyed with a selection of spicy pickles and sweet chutneys.
20, 1st Floor, Sarvodaya Soceity, Opp. Hotel Oasis, Nr. Umiya Dham Temple, Surat-395006. Gujarat, India.
Email : kaantfoods@gmail.com Mob : 9825770072
Web : www.kaantfoods.com

॥ શ્રી ગણેશાય નમઃ ॥ ॥ શ્રીપા ॥ ॥ જય ખોડીયાર માં ॥
Chintan Jiyani 99040 77991
Kishan Kyada 99040 77990
Jay Kuber CONSULTANCY
➢ PERSONAL LOAN ➢ CAR LOAN
➢ CONSUMER LOAN ➢ MUDRA LOAN
➢ HOME LOAN ➢ INSURANCE
➢ MORTGAGE LOAN ➢ PANCARD
jaykuber1997@gmail.com
D-2080, 2nd Floor, Central Bazar, opp Varachha Police Station, Minibazar, Varachha, Surat

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।